RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 87 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 20-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

5 रोहित, कोहली ने वापसी पर किया निराश

7 त्योहारों के सीजन में भी सेहत का ध्यान रखते हैं पंकज त्रिपाठी

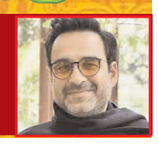

सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, हितैषियों को दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। दीपावली महापर्व के उपलक्ष्य में हमारे कार्यालय में 20 अक्टूबर को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 22 अक्टूबर 2025 को प्रकाशित होगा।

– व्यवस्थापक

रोशनी से नहाये अयोध्या के घाट

26 लाख से अधिक दीये जलाकर बनाया विश्व रिकॉर्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश की आध्यात्मिक नगरी अयोध्या में रविवार को दो विश्व कीर्तिमान बनाए गए। भव्य दीपोत्सव समारोह के दौरान एक साथ 26 लाख 17 हजार 215 दीप प्रज्वलित किये गये और 2,128 लोगों ने एक साथ सरयू आरती की। यह दोनों ही उपलब्धियां विश्व रिकॉर्ड के तौर पर दर्ज की गई हैं।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के प्रतिनिधियों ने ड्रोन से की गई दीयों की गणना की पुष्टि के बाद इस उपलब्धि की आधिकारिक घोषणा की।

बयान के अनुसार, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह और प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति) अमृत अभिजात ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि के सम्मान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गिनीज प्रमाण पत्र प्रदान किया।

20-10-2025 सूर्यास्त 5:47 बजे | 21-10-2025 सूर्योदय 6:00 बजे

BSE 83,952.19 (+484.53) | NSE 25,709.85 (+124.55)

सोना 12,783 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 177,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दीप जलाओ

हो दूर दुखों का तूफां ये,
ना जीवन को यह काल छले।
कुछ करें टोटके टोने भी,
आफत जिससे ये दूर टले।
जीतेंगे हम अवश्यंभावी,
सबके हृदयों में आस पले।
छँट जाए जग का गहन तमस,
सबके कर में इक दीप जले।।

दिवाली सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्वक और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से मनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को दिवाली की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और सभी से सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्ण और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से त्योहार मनाने का आह्वान किया।

मुर्मू ने कहा कि यह त्योहार वंचितों और जरूरतमंदों की मदद करने और उनके जीवन में खुशियां लाने का भी अवसर है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि भारत के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक दिवाली बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाने वाला दिवाली का पावन अवसर आपसी स्नेह और भाईचारे का संदेश देता है। इस दिन श्रद्धालु धन और समृद्धि की देवी देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं।

उन्होंने कहा कि खुशी का यह त्योहार आत्मचिंतन और आत्मसुधार का भी अवसर है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, मैं सभी से सुरक्षित, जिम्मेदारीपूर्वक और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से दिवाली मनाने का आग्रह करती हूं। यह दिवाली सभी के लिए खुशी, शांति और समृद्धि लाए। उन्होंने भारत और दुनिया भर में सभी भारतीयों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

यूक्रेन ने रूस के प्रमुख गैस संयंत्र पर हमला किया

कीव/एपी। यूक्रेन ने शनिवार रात दक्षिणी रूस में एक प्रमुख गैस प्रसंस्करण संयंत्र पर ड्रोन से हमला किया, जिससे आग लग गई। स्थानीय गवर्नर ने यह जानकारी दी। खबर के मुताबिक, हमले की चपेट में आया ओरेनबर्ग संयंत्र सरकारी स्वामित्व वाली गैस कंपनी गैज़प्रोम द्वारा संचालित है और कजाक सीमा के निकट इसी नाम के क्षेत्र में स्थित है। यह एक उत्पादन और प्रसंस्करण परिसर का हिस्सा है जो अपनी तरह की दुनिया की सबसे बड़ी सुविधाओं में से एक है, जिसकी वार्षिक क्षमता 45 अरब घन मीटर है। क्षेत्रीय गवर्नर येवगेनी सोलन्त्सेव के मुताबिक, ड्रोन हमलों से संयंत्र की एक कार्यशाला में आग लग गई और इसका एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

सोलन्त्सेव ने कहा कि कोई हताहत नहीं हुआ है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि उसके वायु रक्षा बलों ने रात में यूक्रेन द्वारा दागे गए 45 ड्रोन को मार गिराया, जिनमें से एक ओरेनबर्ग क्षेत्र में तथा कुल 23 ड्रोन समीपवर्ती समारा और सारातोव क्षेत्रों में गिराए गए।

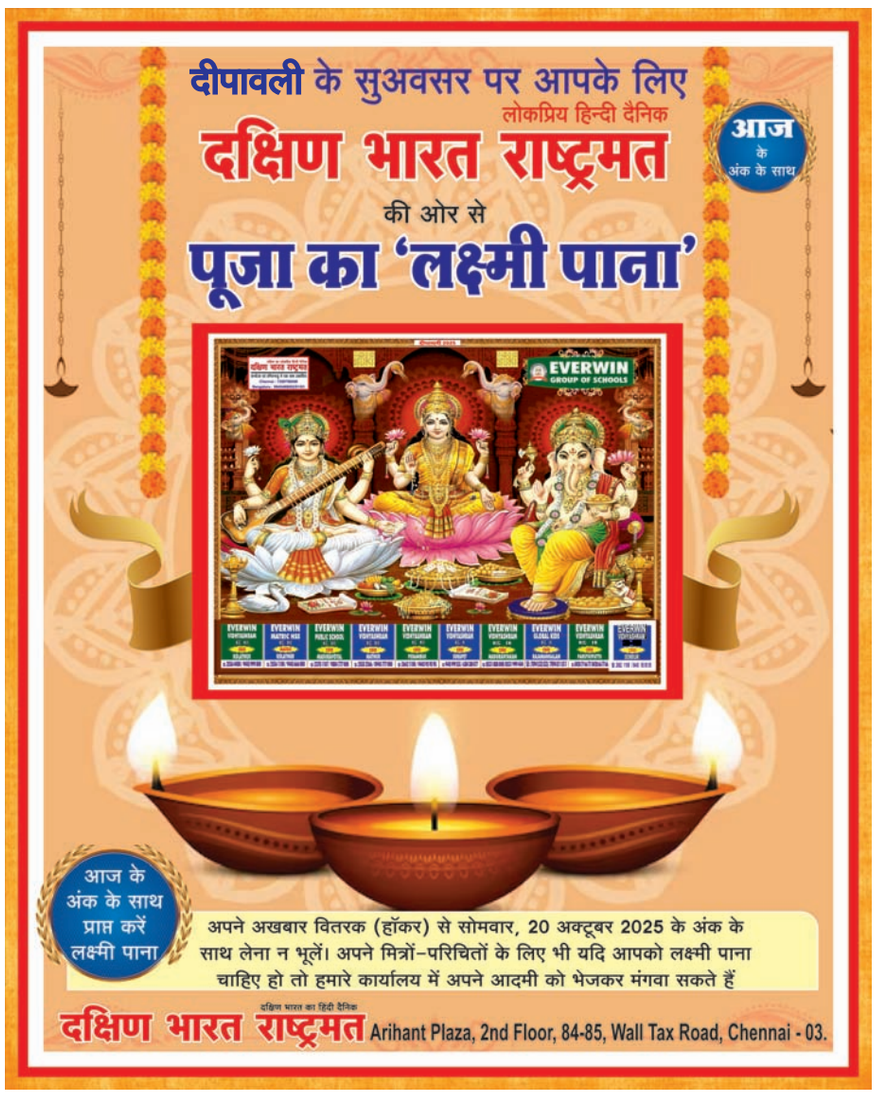

जन्म मृत्यु विरोधी नहीं अपितु एक डोर के दो छोर हैं : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड़ भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने रविवार को आयोजित श्रुतज्ञान गंगा महोत्सव में भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र पर प्रवचन के दौरान कहा कि परिस्थिति जब गंभीर होती है तब बुद्धि बल या अन्य भौतिक बल ज्यादा उपयोगी कारगर सिद्ध नहीं होते। किसी असाध्य बीमारी से ग्रसित होने पर मन की प्रसन्नता को टिकाये रखने में कोई भी भौतिक डिग्री या संपत्ति सहायक नहीं बन सकती। व्यक्ति के पास करोड़ों की पूँजी रोग जन्य वेदना से राहत प्रदान नहीं कर सकती। आत्म बल, मनोबल के अभाव में मौत के समय या मृत्यु के आगमन की सूचना देने वाले रोग के समय समाधि बनाये रखना दुष्कर कार्य और चुनौतीपूर्ण है।

मुनिश्री ने कहा कि संसार दुःखों का घर है तो शरीर रोगों का घर है जगत के सभी पदार्थ नश्वर है इस संसार में जिसका आगमन हुआ है उसकी विदाई भी निश्चित है। जन्म मरण परस्पर विरोधी नहीं है अपितु जीवन रूपी डोर के दो छोर हैं जिसके पास ऐसी सम्यक समझ की शक्ति है वह रोग के आक्रमण होने पर व्याकुल नहीं बनता और मृत्यु के आगमन पर विचलित नहीं होता। विचलित होना अज्ञानता और नासमझी की निशानी है। घबराहट बेचैनी कषाय से आवेशग्रस्त चित की देन है। जिसके पास मन में उत्पन्न होने वाली भावनाओ के कारण की स्पष्ट समझ होती है वह संकट की विकट घडियों में भी मस्त और स्वस्थ रहने में निश्चित सफल हो जाता है।

संपत्ति बढ़ने पर जैसे घर में नये नये साधन सामग्री आ जाती है वैसे ही समझ शक्ति के आने पर सहन शक्ति भी बढ़ती चली जाती है। जैसे संसार में सुख आनंद पूर्वक जीने के लिए संपत्ति और साधन की आवश्यकता होती है वैसे ही संसार से आनन्द पूर्वक विदा होने के लिए समझ शक्ति और सहन शक्ति का होना भी लाजमी है। समझ शक्ति सहन शक्ति ही मृत्यु का सत्कार करने की कला का वरदान देती है। जीवन में संयम की चेतना के विकास की साधना में जो तत्पर रहते हैं जो इन्द्रियों को जीतकर धर्म आचरण में लीन रहते हैं उन्हें ही सकाम मरण अर्थात समाधि सहित मरण का सौभाग्य प्राप्त होता है। इसके विपरीत जो इन्द्रियों के गुलाम है राग द्वेष बढ़ाने के काम में रुचि रखते हैं। व्यर्थ में विद्वेष और विवाद को बढ़ाते हैं विषय कषाय की आग में झुलसते हैं वे अकाम मरण अर्थात लाचारी विवशता पूर्वक आर्त्त ध्यान करते हुए संसार से विदा होते हैं। मरण को सुधारने के लिए जीवन के प्रत्येक पल सावधानी और जागृति जरूरी है जीवन का अंत समय ही हमारे जीवन भर की साधना की परीक्षा की घड़ी होती है। उस परीक्षा में उत्तीर्ण होना ही सकाम मरण है ! अंत समय में पूरे जीवन की परीक्षा मात्र कुछ ही पल में हो जाती है। जीने की तैयारी हमने हर समय की है, लेकिन जाने की पूर्व तैयारी करना भी जरूरी है । जब तक जीवन है तब तक संयम साधना आत्म आराधना में पुरुषार्थ करते रहें। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ ने बताया 22 अक्टूबर को नव वर्ष दीपावली का मंगलपाठ कार्यक्रम सवेरे 8 बजे से 9 बजे तक होगा। धर्म सभा का संचालन संघ मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

पुरुषार्थ के बिना जीवन में कुछ भी मिलना संभव नहीं : संतश्री ज्ञानमुनि

आचार्य देवेन्द्रमुनि जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को श्रमण संघीय तृतीय आचार्यश्री देवेन्द्र मुनि जी की जयंती मनाई गई। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर की अनंत कृपा सभी पर बरस रही है। प्रभु देवों के देव और भगवंतों के भी भगवंत हैं। ऐसे प्रभु ने सभी को मोक्ष जाने से पूर्व ज्ञान का खजाना दिया है। इस ज्ञान के खजाने से मानव जीवन का कल्याण निश्चित है। प्रभु ने हमें जो दिया उसका रसास्वादन करना चाहिए। उत्तराध्ययन का 29वां अध्ययन सम्यक्त पराक्रम है। जो पुरुषार्थ की प्रेरणा देता है। ऐसा पुरुषार्थ करना चाहिए जिससे भवों भवों का कर्म कट जाए। अन्य अध्ययनों में पद्य है, लेकिन इसमें गद्य भाग है। पूरे उत्तराध्ययन का विषय इस एक अध्ययन में समाहित है। जब मनुष्य पुरुषार्थ करता है तो उसका उद्धार संभव हो जाता है। पुरुषार्थ के बिना जीवन में कुछ भी मिलना संभव नहीं है। बिना पुरुषार्थ के अगर कुछ उम्मीद की जाए तो वह असंभव है। मनुष्य ने खाना, पिना, बोलना समेत सब सिख लिया, लेकिन धर्म नहीं सिखा तो सब बेकार है। धर्म के बिना किसी चीज का महत्व नहीं होता है। जो धर्म नहीं जानता और धर्म की ओर सन्मुख नहीं है तो सारी क्रिया बेकार है। इस अध्ययन में प्रश्न के साथ उत्तर भी है। गुरु का मिलना ही लाभ है और समय से चूक जाना ही हानि है। जब मानव कोई काम करता है तो उसके फायदा के बारे में सोचता है। उसी प्रकार धर्माचरण के सभी फायदे के बारे में इस अध्ययन में उल्लेख है। सामायिक करने से सभी पाप के कर्म छूट जाते हैं। कोई भी काम हो अगर सच्चे मन से पुरुषार्थ नहीं किया जाएगा, तो समय व्यर्थ करने के अलावा कुछ हासिल नहीं होगा। श्रद्धा के साथ अगर मनुष्य स्वाध्याय करे तो उसका कल्याण संभव है। स्वाध्याय करने से कर्म कटते हैं और पाप के मार्ग बंद होते हैं। संत श्री ने कहा कि 30वां अध्ययन तपों मार्ग गति है। जिसमें कर्मों को रोकने का उपाय करना शामिल है। इस अध्ययन में तप का महत्व बतलाया गया है। लोगों की सेवा करना भी तप है। स्वाध्याय करना भी एक तरह का तप है। अगर बड़ी तपस्या नहीं हो पाती तो स्वाध्याय करें, गलती होने पर लोगों से क्षमायाचना करें।ङ्कसंतश्री ने कहा कि आज एक महान श्रमण संघीय तृतीय आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनि की जयंती है। उनका जन्म उदयपुर में हुआ था। चार तत्व दृष्टि में पवित्रता, आंख में निर्मलता, व्यवहार में कुशलता और मन में पवित्रता होने पर मनुष्य महान बन जाता है। ऐसे ही आचाश्री का वचन मधुर था। वे कभी किसी को कटु नहीं बोलते थे। वे बहुत ही मीठा बोलते थे। धनतेरस के दिन ही उनका जन्म हुआ था। इसलिए उनका नाम धन्नालाल रखा गया था।

4 साल के होने पर उनके पिता श्री दिवंगत हो गए। जिसके बाद दादा ने पोते को संभाला था। उदयपुर महान संतों की भूमि है। उपाध्याय पुष्कर मुनि के सान्निध्य में उन्होंने दीक्षा ली। दीक्षा लेने के बाद वे संयम के मार्ग पर चलने लगे। उनकी बुद्धि बहुत ही तीव्र थी। देवेन्द्र मुनि जी बहुत विद्वान थे। कथा, लेख समेत 300 से अधिक विषयों पर उन्होंने किताब लिखी थी। जब गुरु मिलते हैं तभी शिष्य खुद गुरु बन जाता है। ऐसे ही आचार्य श्री देवेन्द्र मुनि थे, जो विद्वान और ज्ञानी बनें। वे बहुत ही अनुभवी, सौम्य और शांत स्वभाव के मुनि थे। उनके बताए मार्गों पर चलने वाला अपने जीवन का कल्याण कर लेगा।

दीपोत्सव पर मासिक जीव दया कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस, युवा शाखा तमिलनाडु (नई दिल्ली) के तत्वावधान में 93वाँ मासिक जीव दया कार्यक्रम रविवार को मद्रास पिंजरापोल, अयनावरम में बड़ी श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। दीपावली के इस पावन अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कबूतरों को दाना एवं गायों को चारा खिलाकर दया, करुणा और सेवा का संदेश दिया। जीव दया के इस पुण्य कार्य से कार्यक्रम स्थल पर दिव्यता और आत्मिक शांति का वातावरण व्याप्त हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से युवा अध्यक्ष मनीष रांका, कोषाध्यक्ष शांतिलाल गुगलिया, जीव दया अध्यक्ष मोहित तालेड़ा, अजितराज कोठारी, महिंद्रा सेठिया, दिनेश नाहर, नवीन खारीवाल, प्रमोद बालेचा, सुरेश लोढ़ा, धर्मेन्द्र सिसोदिया, कमलेश लोढ़ा, अभिषेक पीपड़ा सहित अनेक पदाधिकारी, युवा सदस्य एवं बालक-बालिकाओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सहयोगी परिवार बिरधीचंद, कमलेश लोढ़ा द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने दीपावली पर्व पर जीव मात्र के प्रति करुणा भाव जगाने के इस प्रयास की सराहना की।

प्रभु महावीर के अंतिम उपदेश में जीवन का सार छिपा है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. के सानिध्य में रविवार को उत्तराध्ययन सूत्र आराधना का 19वां दिवस मनाया गया। प्रवचन के दौरान मुनिजी ने प्रभु महावीर के जीवन, उनकी तपस्या और अंतिम उपदेशों पर प्रकाश डाला। मुनिजी ने कहा कि प्रभु महावीर का जन्म पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के घर हुआ। हरिवंश पुराण के अनुसार प्रभु के दादा का नाम सर्वार्थ और दादी का नाम श्रीमती था। उन्होंने जीवन जीते हुए अकेले ही दीक्षा धारण की थी। प्रभु महावीर ने दीक्षा के समय अनेक तप किए। चौमासे का तप नौ बार, मासखमन बारह बार, तपस्या की। समय बीतते-बीतते जब उनका अंतिम चातुर्मास आया, तो सभी को ज्ञात हुआ कि यह प्रभु का अंतिम चातुर्मास है। सभी की यही इच्छा थी कि उन्हें प्रभु के अंतिम चातुर्मास का लाभ मिल जाए, और इस अंतिम सेवा का सौभाग्य राजा हस्तिपाल को प्राप्त हुआ। चातुर्मास प्रारंभ हुआ और अनेक देश-राज्यों के लोग प्रभु के दर्शन हेतु पहुँचे। सबका एक ही उद्देश्य था - प्रभु महावीर के दर्शन करना। जैसे-जैसे चातुर्मास समाप्ति की ओर बढ़ा, वैसे-वैसे लोगो के हृदय की धड़कनें तेज होती गईं। देवताओं ने इंद्र की आज्ञा से अंतिम समवसरण की रचना की, जो इतनी भव्य थी कि लगता था जैसे तीनों लोकों की संपदा एक स्थान पर एकत्र हो गई हो। सभी भक्त प्रभु के मुखारविंद से अंतिम बार सुनने के लिए आतुर थे, क्योंकि इसके बाद 84 हजार वर्षों तक ऐसा सौभाग्य किसी को प्राप्त नहीं होने वाला था।

मुनिश्री ने कहा कि मनुष्य जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्मों से महान होता है। प्रभु महावीर ने अपने अंतिम उपदेश में कहा कि जीवन दो प्रकार का होता है - अंगार का जीवन और आकार का जीवन। अंगार व्यक्ति कभी आशक्ति में नहीं फँसता, क्योंकि वह जानता है कि आशक्ति हमेशा आपत्ति की ओर ले जाती है। यदि आपत्ति से बचना है तो आशक्ति से बचना आवश्यक है।

प्रभु ने यह भी कहा कि जो वस्तु तुम्हें प्राप्त नहीं हुई है, उसकी इच्छा मत करो, उसकी मांग मत करो। ऐसी इच्छाएँ और माँगें ही मनुष्य के जीवन में दुःख लाती हैं। जो तुम्हारे पास है, उसमें संतुष्ट रहो, उसी में खुश रहो। जो तुम्हारे भाग्य में है, वह तुम्हें अवश्य मिलेगा, और जो नहीं है, वह लाख इच्छा करने पर भी नहीं मिलेगा। मुनिजी ने कहा कि मन से भी यह चाहना नहीं चाहिए कि कोई मेरा जयकार करे, मेरा अभिनंदन करे, मेरा सत्कार करे या मेरी पूजा करे। ऐसी मान-सम्मान की कामनाएँ भी व्यक्ति को आगे बढ़ने से रोकती हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भी संग्रह मत करो, चाहे वह क्रोध हो या लोभ - संग्रह करने से हर चीज खराब हो जाती है। कल की चिंता मत करो, क्योंकि कल का भरोसा किसी को नहीं होता। कल की चिंता में आज को व्यर्थ मत करो। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

कुन्नूर में तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नीलगिरी। कुन्नूर शहर और उसके आसपास के इलाकों में रविवार को दोपहर तेज़ हवाओं के साथ भारी बारिश हुई। इसके कारण वंडीसोलई से एडापल्ली जाने वाली सड़क पर कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए। मुख्य रूप से सहरीं रोड इलाके में सड़क के बीचों-बीच बड़े पेड़ गिर गए, जिससे यातायात अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ क्योंकि उस इलाके में वाहन नहीं चल पा रहे थे।

सूचना मिलते ही, दमकल कर्मी, कुन्नूर नगर पालिका के कर्मचारी और सामाजिक कार्यकर्ता तुरंत मौके पर पहुँचे और बचाव कार्य शुरू किया। पेड़ों को काटने और हटाने का काम कई घंटों तक चला। बाद में, सड़क साफ़ कर दी गई और वाहनों का आवागमन फिर से शुरू हो गया। इसी दौरान, भारी बारिश के कारण मिट्टी के नरम होने के कारण कट्टेरी रोड के पास रिहायशी इलाकों में लगभग 20 फीट गहरा भूस्खलन हुआ। भूस्खलन घरों के सामने हुआ, जिससे आस-पास रहने वाले लोग दहशत में है।

विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु कम करने का प्रस्ताव पारित होगा : रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार को कहा कि राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान में संशोधन करने की मांग की जाएगी। उन्होंने न्यूनतम आयु में बदलाव के अपने प्रस्ताव को समय की मांग बताया और इस बात पर जोर दिया कि युवाओं को देश की सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।

मुख्यमंत्री यहां 'राजीव गांधी सद्भावना यात्रा' स्मृति दिवस में भाग लेने और वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को 'राजीव गांधी सद्भावना पुरस्कार' प्रदान करने के बाद बोल रहे थे। रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की मतदान करने की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि इससे देश में संसदीय लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने में मदद मिली। रेड्डी ने कहा कि 21 वर्षीय आईएएस और आईपीएस अधिकारी जिलों में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं और उन्होंने जानना चाहा कि 21 वर्ष की आयु में कोई विधायक क्यों नहीं बन सकता? रेड्डी ने कहा, आने वाले दिनों में तेलंगाना विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 से घटाकर 21 वर्ष करने के लिए संविधान संशोधन की मांग की जाएगी।

युवाओं को देश चलाने का अवसर दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में मतों को बांटने के लिए भाजपा की बी टीम है।

तमिलनाडु के राज्यपाल और राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं ने लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने रविवार को राज्य के लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। दीपावली 20 अक्टूबर को मनाई जाएगी।

रवि ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, दीपावली के पावन अवसर पर तमिलनाडु के हमारे बहनों और भाइयों को हार्दिक शुभकामनाएं। दीपावली अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर धर्म और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का पर्व है। उन्होंने कहा, ''मां लक्ष्मी हमें सुख, स्वास्थ्य और समृद्धि प्रदान करें, हमारे जीवन को प्रेम और करुणा से भरें। सभी को आनंदमय, जीवंत और सुरक्षित दीपावली की शुभकामनाएं।'' राज्यपाल कार्यालय ने बताया कि इससे पहले रवि ने अपनी पत्नी लक्ष्मी रवि के साथ राजभवन के कर्मचारियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा उन्होंने दीये, मिठाइयां और पटाखे बांटे।

पलानीस्वामी ने अपने संदेश में कहा, इस खास मौके पर हर तरफ प्रेम फैले और शांति व्याप्त हो, यह पर्व सभी के कष्टों को दूर करे और एक उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करे। पार्टी के एक बयान में उन्होंने कहा, मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस दिन सभी के जीवन में समृद्धि और खुशहाली आए। मैं (अन्नाद्रमुक संस्थापक और दिवंगत मुख्यमंत्री) एम. जी. रामचंद्रन और (दिवंगत मुख्यमंत्री) जे. जयललिता के बताए मार्ग पर चलने वाले सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देता हूं।

अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने अपने दीपावली संदेश में कहा, बुराई पर धर्म की जीत के प्रतीक इस पावन दीपावली पर्व पर मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हम जो प्रकाश जलाएं, वह अज्ञानता को दूर करे और सभी के जीवन में खुशियां और सफलता लाए। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के नेता डॉ. अंबुमणि रामदास ने भी लोगों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

चरित्र के बिना मुक्ति नहीं : शालिभद्र मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी के शिष्य श्री शालिभद्र मुनिजी ने रविवार को 14 दिवसीय भगवान महावीर की अंतिम देशना उत्तराधययन सूत्र का सरस, सरल सुबोध शैली में वाचन करते हुए कहा कि ज्ञान, दर्शन चरित्र और तप यह चार प्रभु महावीर ने मोक्ष के मार्ग बतलाए हैं। इन चारों साधनों से मोक्ष प्राप्ति में सम्यक पुरुषार्थ पराक्रम करना ही मोक्ष मार्ग की गति है। उन्होंने समकित की दस प्रकार की रुचियों का सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि साधक को धर्म पर सच्ची श्रद्धा, रुचि जागृत करनी चाहिए। यह रुचियां हमारे समकित को पुष्ट करती हैं और हमारे मोक्ष मार्ग प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। मोक्ष साध्य है और ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप ये साधन हैं। मोक्ष में जाने के लिए इन साधनों के साथ चारित्र की प्रधानता है। बिना चारित्र के मुक्ति नहीं होती है। आत्मा ज्ञान से जानता है, दर्शन से उस पर श्रद्धा करता है।

चरित्र से आचरण करता है और आत्मा में कर्मों का आगमन पापों का आना रोकता है तथा तप से पूर्व संचित कर्मों का क्षय करता है। इस तरह मोक्ष मार्ग में पराक्रम गति करते हुए सभी कर्मों, दुखों का नाश करते हैं और परम पद मोक्ष, मुक्ति को प्राप्त कर सिद्ध, बुद्ध और मुक्त बन जाते हैं।ङ्कउन्होंने कहा कि अध्यात्म का मार्ग पाने का नहीं प्रकट करने का मार्ग है। पराक्रम करना नियति है। हमारी आत्मा अनन्त शक्तिमान है। बस आवश्यकता है अपने आत्म स्वरूप को जानने की और साधना द्वारा अपनी सुप्त आत्म शक्तियों को विकसित, जागृत करने कीजरुरत है। उन्होंने कहा कि हमारा पराक्रम साधना के क्षेत्र में ऐसा हो कि वह हमें मोक्ष पद पाने में सहायता सिद्ध बनें।

उन्होंने कहा कि यह मानव शरीर हमें धर्म साधना आराधना करने के लिए ही मिला है। जैसे सूर्य के आगे बादल छाए तो उसका प्रकाश ढक जाता है वैसे ही हमारी आत्मा पर कर्मों का आवरण आ जाता है। जिससे हमारी आत्मा की अनन्त शक्तियां ढक जाती है और हमें अपनी आत्मा की अनन्त शक्तियों का सही ज्ञान नहीं हो पाता है। जहां तन है वहां तनाव है, सिद्ध भगवान अशरीरी है अतः सिद्ध परमात्मा आत्मा के अनन्त सुखों में विराजमान हैं। रविवार को श्रुत स्वाध्याय साधना में सहयोगी धर्म रथ के सारथी बने प्रतिष्ठानों व लोगों को गुरु ज्येष्ठ पुष्कर नरेश चातुर्मास समिति द्वारा महामंत्री महावीर चंद मेहता ने धन्यवाद दिया।

महाराष्ट्र में 96 लाख 'फर्जी' मतदाता: राज ठाकरे

मुंबई/भाषा

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची में 96 लाख फर्जी मतदाता जुड़ गए हैं और निर्वाचन आयोग को चुनौती देते हुए सवाल किया कि मतदाता सूची को शुद्ध किए बिना वह स्थानीय निकाय चुनाव कैसे कराएगा।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बूथ स्तरीय एजेंट को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि अगर मतदाता सूची में हेराफेरी करके चुनाव कराये जाते हैं, तो यह मतदाताओं का सबसे बड़ा अपमान है। उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची की जांच करके फर्जी मतदाताओं का पता लगाने का आग्रह किया।

शिवसेना (उबाठा), कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) और मनसे सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने हाल ही में राज्य निर्वाचन आयुक्त और मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात की और दावा किया कि विभिन्न पतों और विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची में डुप्लिकेट नाम हैं।

विपक्ष ने ग्रामीण और शहरी निकाय चुनावों से पहले मतदाता सूची में सुधार और विसंगतियों को दूर करने की मांग की है, जो 31 जनवरी, 2026 तक पूरे होने हैं।

महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग

ने शनिवार को कहा कि कोई भी राजनीतिक दल मतदाता सूची से छेड़छाड़ नहीं कर सकता है और मतदाता सूचियों में सुधार और अद्यतन सुरक्षित रूप से प्रबंधित किया जा रहा है।

राज ठाकरे ने रविवार को आरोप लगाया, क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की एक कोशिश की जा रही है। मुझे पता चला है कि आगामी चुनावों के लिए महाराष्ट्र की मतदाता सूची में 96 लाख फर्जी मतदाताओं के नाम दर्ज किए गए हैं। उन्होंने राज्य चुनाव के दौरान भी ऐसा किया था। उन्होंने दावा किया कि मुंबई में 8 से 10 लाख और ठाणे, पुणे और नासिक में 8 से 8.5 लाख फर्जी मतदाता जोड़े गए हैं।

राज ठाकरे ने कहा, उन्होंने हर गांव और शहर में ऐसा किया है। क्या देश में इस तरह चुनाव होंगे? अगर इस तरह चुनाव होते हैं, तो यह महाराष्ट्र और देश के मतदाताओं का अपमान है।

ठाकरे ने कहा कि जब विपक्ष चुनाव आयोग पर हमला करता है तो सत्तारूढ़ दल परेशान हो जाते हैं क्योंकि इससे उन्हें ठेस पहुंचती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, निर्वाचन आयोग को मतदाता सूची को शुद्ध करने से पहले यह दिखाना चाहिए कि वह स्थानीय निकाय चुनाव कैसे कराता है। अगर चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से कराने हैं, तो पहले मतदाता सूची को शुद्ध करें। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का नाम लिए बिना, ठाकरे ने कहा कि वह मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को डालकर चुनाव का सामना करना चाहती है। उन्होंने पूछा, आप वोट डालें या न डालें, इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। मैच फिक्स हो चुका है।

तमिलनाडु में भारी बारिश के बावजूद दिवाली की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़े लोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश के बावजूद त्योहारों को लेकर लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ है और बड़ी संख्या में लोग आखिरी समय में दिवाली की खरीदारी के लिए बाजारों और विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में उमड़ पड़े। प्रकाश का यह पर्व 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

तमिलनाडु सरकार ने राज्यभर के महत्वपूर्ण स्थानों पर व्यापक व्यवस्था की है ताकि लोग त्योहार मनाने के लिए अपने-अपने गृहनगर आसानी से पहुंच सकें। दक्षिण रेलवे ने भी बड़ी संख्या में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए विशेष रेलगाड़ियों की घोषणा की है। राज्य में 16 अक्टूबर को उत्तर-पूर्वी मानसून के आगमन के बाद से पिछले दो-तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। भारी वर्षा के कारण दक्षिणी क्षेत्र के जलाशयों में पानी भर गया है।

थेनी, कोयंबटूर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली, अरियालुर समेत कई जिलों में भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इस त्योहार को मनाने के लिए आखिरी समय में खरीदारी करने के लिए बाजारों, शॉपिंग स्ट्रीट और मॉल में जा रहे हैं।

राज्य के परिवहन मंत्री एस एस शिवशंकर ने चेन्नई के किलाम्बक्कम बस टर्मिनल और कोयम्बेडु का दौरा किया। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों में तीन लाख से अधिक लोग सरकारी बसों से अपने गृहनगर गए हैं।

योजनाओं के नाम हिंदी में रखने पर स्टालिन ने उठाया सवाल, भाजपा ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की अहंकार वाली टिप्पणी के लिए रविवार को उनपर पलटवार किया। स्टालिन ने हिंदी भाषा में योजनाओं के नाम रखने को लेकर भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधा था। स्टालिन के इस सवाल पर कि भ्रष्ट करार दिए गए लोग भाजपा में शामिल होने के बाद अचानक कैसे पाक-साफ हो जाते हैं, भाजपा ने कहा कि नकदी के बदले नौकरी घोटाले में कथित रूप से शामिल पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी द्रमुक में हैं, लिहाजा मुख्यमंत्री को वास्तव में खुद से यह सवाल पूछना चाहिए।

तमिलनाडु भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा कि स्टालिन ने भाजपा से कई सवाल पूछे हैं और जवाब मांगे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, मैं उनके सवालों का विस्तार से जवाब देता हूं। मुख्यमंत्री ने पूछा था कि सभी प्रमुख राष्ट्रीय योजनाओं और कानूनों का नाम केवल हिंदी व संस्कृत में रखना क्या अहंकार नहीं है? इस पर तिरुपति ने कहा, अगर आप यह सवाल बिना यह जाने पूछ रहे हैं कि देश की आधिकारिक भाषा हिंदी है, तो यह आपकी अज्ञानता है। अगर आप जानबूझकर पूछ रहे हैं, तो यह आपका अहंकार है। स्टालिन के इस सवाल पर भी तिरुपति ने पलटवार किया कि केंद्रीय मंत्री खुद अवैज्ञानिक अंधविश्वास फैलाकर आबादी कम करने की बात क्यों कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री हिंदू धर्म/सनातन धर्म का उपहास करके बहुसंख्यक लोगों की आस्था के बारे में जहर क्यों उगल रहे हैं? क्या यह अल्पसंख्यक वोटों की चाहत में किया जा रहा है? यदि हां, तो क्या यह शर्मनाक नहीं है? मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर भी भाजपा ने पलटवार किया कि विपक्ष शासित राज्यों में भ्रम पैदा करने के लिए राज्यपाल का इस्तेमाल करके आप क्या हासिल करना चाहते हैं?

उन्होंने कहा, जब आप विपक्ष में थे, तो राज्यपाल से बार-बार मिलकर आप क्या हासिल करना चाहते थे? जो आप हासिल करना चाहते थे, वह हम क्यों न हासिल करें?

अभिनेता विजय की टीवीके ने करूर भगदड़ पीड़ितों के परिजनों को 20-20 लाख रुपये दिए

चेन्नई। अभिनेता-नेता विजय के राजनीतिक दल तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने शनिवार को कहा कि 27 सितंबर को करूर भगदड़ में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 20-20 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई है। टीवीके ने कहा कि यह राशि सीधे प्रभावित परिवारों के बैंक खातों में जमा करा दी गई है।

पार्टी ने पोस्ट किया, ''उनतालीस परिवारों को 20-20 लाख रुपये की राशि भेजी गई है, जो कुल मिलाकर 7.8 करोड़ रुपये होती है।'' टीवीके के पदाधिकारी ने बताया कि हालांकि, अभिनेता ने पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिलने और उन्हें सांत्वना देने के बाद अनुग्रह राशि वितरित करने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्णय लिया कि राहत राशि उन तक पहले पहुंचे। उन्होंने कहा कि अन्य प्रभावित परिवारों को भी अनुग्रह राशि मिलेगी।

सेल्वरानी ने भगदड़ में बेटी को खो दिया था। उन्होंने करूर में संवाददाताओं को बताया, टीवीके सदस्यों ने 20 लाख रुपये जमा करने के लिए मेरे बैंक खाते का विवरण प्राप्त किया था। तदनुसार, आज राशि मेरे खाते में अंतरित कर दी गई।''

तमिलनाडु में भारी बारिश से दक्षिण के बांधों में पानी का प्रवाह बढ़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों समेत कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई। उत्तर-पूर्वी मानसून के कारण राज्य में बारिश हो रही है।

बारिश से दक्षिण के जलाशयों में पानी की मात्रा बढ़ गई, जबकि चेन्नई में 17 अक्टूबर से हो रही मध्यम से भारी बारिश के कारण चेन्नई में कुछ स्थानों पर जलभराव हो गया।

मौसम विभाग के अनुसार, पूर्वोत्तर मानसून 16 अक्टूबर को तमिलनाडु पहुंचा, जिससे पश्चिमी घाट और दक्षिणी जिलों में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, जबकि चेन्नई सहित तटीय क्षेत्रों में मध्यम वर्षा जारी रहेगी।

दक्षिण में कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, तेनकासी, तूतीकोरिन और विरुधुनगर जिलों में बारिश हुई, जबकि उत्तर में कांचीपुरम, चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लुर, विल्लुपुरम, कुड्डालोर, तिरुवन्नामलाई और रानीपेट जिलों में भी तेज बारिश हुई। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि निम्न दबाव के दो प्रणालियों के कारण तेज वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण-पूर्व अरब सागर और केरल-कर्नाटक तटों के पास लक्षद्वीप क्षेत्र के ऊपर एक सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र बना है, जिसके अगले 36 घंटों के दौरान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अवदाब में परिवर्तित होने की संभावना है। दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर 21 अक्टूबर के आसपास कम दबाव का एक और क्षेत्र बनने की संभावना है और इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने तथा अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों और समीपवर्ती पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक अवदाब के रूप में केंद्रित होने की संभावना है। बुलेटिन में कहा गया है, इसके प्रभाव से 22 से 24 अक्टूबर के दौरान उत्तरी तटीय तमिलनाडु और पुडुचेरी में और अधिक बारिश होने की संभावना है।''

तिरुपति चिड़ियाघर में सफेद बाघ 'समीर' की मौत

तिरुपति। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर प्राणि उद्यान में रविवार को 19 वर्षीय एक सफेद बाघ की उम्र संबंधी बीमारियों के कारण मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 'समीर' नाम के इस बाघ को 2011 में हैदराबाद के नेहरू प्राणि उद्यान से श्री वेंकटेश्वर प्राणि उद्यान (तिरुपति चिड़ियाघर) स्थानांतरित किया गया था।

भारतीय रेल

सार्वजनिक सूचना

दक्षिण रेलवे के निम्निलिखित खंडों के पूरे हो चुके खंड पर स्थित रेलवे लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज़, एसी ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनों को खंड के सामने निर्दिष्ट तारीख या उसके बाद से **सक्रिय** कर दिया जाएगा। उसी तारीख से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनें हर समय लाइन मानी जाएंगी और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइनों के पास नही जाएगा या उनके निकट काम नही करेगा।

ओएचई खंड	से	तक	दिनांक
दक्षिण साइडिंग लाइन (बलास्ट ट्रैक)	विएएन/46 बी (कि.मी/सीएच.2/547.50)	बीएएन/81 (कि.मी./सीएच.3/605.00)	15.10.2025
कमीशनिंग शेड के रोड - 3 को 750 वो. डीसी की आपूर्ति।	सडिका/18 (कि.मी./सीएच.0/642.50	सडिका/आर312बी (कि.मी./सीएच.0/755.50)	

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.)

प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सवारी डिब्बा कारखाना अस्पताल, चेन्नै - 600 038 रेडियोलॉजिकल और न्यूरोलॉजिकल जांच / प्रक्रियाओं और न्यूक्लियर चिकित्सा सेवा हेतु प्रयोगशाला निदान केंद्रों को पैनल में रखने के लिए इच्छुक संस्थानों से मुहरबंद लिफाफेमें आवेदन आमंत्रित करते हैं। आवेदन पत्र दिनांक 11.11.2025 को 11:00 बजे तक प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, सडिका अस्पताल, चेन्नै - 38 में पहुंच जाना चाहिए।

1.	निविदा सूचना सं.	एमडी/आईसीएफ/34/एनआर व एनएस, दिनांक 06.10.2025
2.	अभिरुचि की अभिव्यक्ति (ई.ओ.आई.)	नवीनतम सीजीएचएस दरों के अनुसार रेडियोलॉजिकल और न्यूरोलॉजिकल जांच / प्रक्रियाओं और न्यूक्लियर मेडिसन सेवाओं के लिए डायग्नोस्टिक सेंटरों / अस्पतालों का पैनल तैयार करना F.No. 5-16/CGHS(HQ)/HEC/2024(Part I) (Comp No.: 8365027) दिनांक: 03.10.2025.
3.	सीजीएचएस दर का विवरण	सीजीएचएस वेबसाइट https://cghschennai.tn.nic.in से डाऊनलोट कर देख लें।
4.	पैनल की अवधि	समझौते पर हस्ताक्षर करने की तिथि से दो वर्ष
5.	निविदा जमा करने की अंतिम तारीख व समय	11.11.2025 - 11:00 बजे तक
6.	निविदा खोलने की तारीख व समय	11.11.2025 - 11:30 बजे
7.	निविदा संबंधी अन्य शर्तों व निबंधनों से संबंधित विवरण इस वेबसाइट पर देखें।	http://www.icf.indianrailways.gov.in/

अन्य जानकारी के लिए 044-26146640 और 26146633 पर संपर्क करें।

प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

अभिरुचि की अभिव्यक्ति (एक्सप्रेशन ऑफ इन्ट्रस्ट)

प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038, हीमोडायलिसिस के उपचार/प्रक्रिया संबंधी कार्य हेतु पैनल में सम्मिलित करने के लिए अस्पतालों से मुहरबंद लिफाफे में आवेदन आमंत्रित करते हैं। इच्छुक अस्पताल अपना आवेदन 11.11.2025 को 11:00 बजे तक या उससे पहले प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, सडिका अस्पताल, चेन्नै का भेज दे।

1.	निविदा सूचना सं.	सं. एमडी/सडिका/34/हीमो हायलिसिस, दिनांक 06.10.2025
2.	ईओआई का नाम	नवीनतम सीजीएचएस दरों के अनुसार हीमो-डायलिसिस उपचार / प्रक्रियाओं के लिए अस्पतालों / केंद्रों का पैनल बनाना F.No.5-16/CGHS(HQ)/HEC/2024(Part I) (Comp No. 8365027) दिनांक 03.10.2025
3.	पात्रता	सभी हॉस्पिटल जो CGHS, ECHS &ESI के साथ एम्पैनल्ड हैं या सिर्फ हीमो-डायलिसिस के लिए स्टैंड अलोन हैं, और जो अभी चल रही सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम के तय रेट लेने को तैयार हैं।
4.	निविदा की शर्तें व निबंधन	नीचे दिए गए वेबसाइट से डाउनलोड करें।
5.	एम्पैनलमेंट की अवधि	ईओआई को स्वीकृत करने की तारीख से 2 वर्ष (एम्पैनलमेंट शेड्यूल के अनुसार)
6.	निविदा जमा करने की अंतिम तारीख	11.11.2025 को 11:00 बजे तक
7.	निविदा खोलने की तारीख	11.11.2025 को 11:30 बजे
8.	वेबसाइट का पता	http://www.icf.indianrailways.gov.in

अन्य जानकारी के लिए 044-26146640 और 26146633 पर संपर्क करें।

प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी
कृते भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से

चंद्रयान-2 ने सूर्य के चांद पर पड़ने वाले असर का पता लगाया : इसरो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शनिवार को कहा कि 2019 में प्रक्षेपित चंद्रयान-2 मिशन ने अपने वैज्ञानिक उपकरणों की मदद से पहली बार यह पता लगाया कि सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) का चंद्रमा पर क्या असर पड़ता है। बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इस अवलोकन से चंद्रमा के बाह्यमंडल, चंद्रमा के बहुत पतले वायुमंडल और उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में मदद मिलेगी।

श्रीहरिकोटा से 22 जुलाई 2019 को जीएसएलवी-एमके3-एम1 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान-2 में आठ वैज्ञानिक उपकरण थे और 20 अगस्त 2019 को चंद्रयान-2 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा। इसरो की एक विज्ञप्ति के अनुसार, चंद्रयान-2 पर लगे उपकरणों में से एक- चंद्राज एटमॉस्फेरिक कॉम्पोजिशनल एक्सप्लोरर-2' (सीएचएसीई-2) ने सूरज से निकलने वाली कोरोनल मास इजेक्शन का चंद्रमा के बाहरी वायुमंडल पर पड़ने वाला असर रिकॉर्ड किया है। सीएचएसीई-2 उपकरण का मुख्य उद्देश्य चंद्रमा के तटस्थ बाहरी वायुमंडल (न्यूट्रल एक्सोस्फीयर) की संरचना, उसका विस्तार और उसमें होने वाले बदलावों का अध्ययन करना है।

बेंगलूरु-खड़गपुर के लिए स्पेशल एक्स. ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां दक्षिण रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण पश्चिम रेलवे ने दीपावली त्योहार के मद्देनजर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए एक्सप्रेस विशेष ट्रेन संख्या 06263/06264 केएसआर बेंगलूरु-खड़गपुर-बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल के दो फेरे लगाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 06263 केएसआर बेंगलूरु - खड़गपुर एक्सप्रेस स्पेशल (जोलारपेट्टई और काटपाडी के रास्ते) 22 और 29 अक्टूबर, बुधवार को केएसआर बेंगलूरु से 09.50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे खड़गपुर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 06264 खड़गपुर-बेंगलूरु छावनी एक्सप्रेस स्पेशल (कटपाडी और जोलारपेट्टई के रास्ते) 23 और 30 अक्टूबर, गुरुवार को 17.45 बजे खड़गपुर से रवाना होगी और अगले दिन 22.30 बजे बेंगलूरु छावनी पहुँचेगी। इस ट्रेन में एक एसी प्रथम श्रेणी सह एसी टू टियर कोच, एक एसी टू टियर कोच, दो एसी थ्री टियर कोच, दस स्लीपर क्लास कोच, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और दो द्वितीय श्रेणी कोच (दिव्यांगजन अनुकूल) होंगे।

केरल 'पीएम श्री' योजना में शामिल होगा : शिक्षा मंत्री शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने रविवार को घोषणा की कि राज्य लंबित केंद्रीय धनराशि प्राप्त करने के लिए 'पीएम श्री' योजना में शामिल होगा। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि वह राज्य में मौजूदा शिक्षा नीति से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को केंद्रीय राशि प्राप्त करने का अधिकार है इसलिए केरल को इससे दूर रहने की कोई आवश्यकता नहीं है।

मंत्री ने एक टेलीविजन चैनल से बातचीत में कहा कि विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए राज्य को 1,466 करोड़ रुपये की केंद्रीय निधि मिलनी बाकी है और केरल के बच्चे इसके हकदार हैं। हालांकि, मंत्री ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार की योजना में शामिल होना केवल लंबित धनराशि प्राप्त करने का एक व्यावहारिक तरीका है और इससे केरल की मौजूदा शिक्षा नीति में कोई अंतर नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि अगर यह धनराशि मिलती है तो राज्य शिक्षा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों को लागू कर पाएगा और साथ ही 7,000 से अधिक शिक्षकों के वेतन का भुगतान सुचारू रूप से कर पाएगा। उन्होंने कहा, हम राज्य की शिक्षा नीति से पीछे नहीं हटेंगे। स्वास्थ्य, उच्च शिक्षा और कृषि सहित विभिन्न विभागों ने पहले ही केंद्रीय राशि स्वीकार कर ली हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र के सुझाव पर भी राज्य मौजूदा नीति के खिलाफ कुछ भी लागू नहीं करेगा। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब हाल ही में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद की पुस्तकों में देश के इतिहास को कथित तौर पर विकृत करने का प्रयास किया गया था, तो उस समय केरल ने कैसे वैकल्पिक पाठ्यपुस्तकें जारी की थीं। जब संवाददाताओं ने उनसे पूछा कि क्या यह निर्णय वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के एक प्रमुख सहयोगी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) से चर्चा के बाद लिया गया है। इस सवाल पर मंत्री ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। भाकपा राज्य के पीएम श्री योजना में शामिल होने का कड़ा विरोध कर रही है।

'पीएम स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया' (पीएम श्री) योजना केंद्र सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य देश भर के चुनिंदा स्कूलों का उन्नयन करना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इस योजना के तहत केंद्रीय, राज्य और स्थानीय निकाय द्वारा चलाए जा रहे 14,500 से अधिक मौजूदा स्कूलों को सशक्त और उन्नत बनाया जाएगा। इस बीच सत्तारूढ़ एलडीएफ में पीएम श्री योजना को लेकर मतभेद सामने आ गए हैं।

भाकपा नेताओं ने दिन में बाद में स्पष्ट किया कि उन्हें इस घटनाक्रम की जानकारी नहीं थी। भाकपा के राज्य सचिव बिनॉय विश्वम ने कहा कि इस मामले में उनके पहले के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है जबकि पार्टी के वरिष्ठ नेता और राजस्व मंत्री के राजन ने कहा कि कैबिनेट ने इस संबंध में कोई फैसला नहीं लिया है।

जब संवाददाताओं ने उनकी प्रतिक्रिया जाननी चाही तो मंत्री विश्वम ने कहा कि उन्हें मंत्री शिवनकुट्टी के बयान की जानकारी केवल मीडिया के माध्यम से मिली है और उनके पास कोई अन्य सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि कोई भी निर्णय लेने से पहले कई बार सोचना चाहिए क्योंकि राज्य, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को स्वीकार नहीं कर सकता जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विचारधारा को दर्शाती है और यह उसके साम्प्रदायिकरण और व्यावसायीकरण की योजना का हिस्सा है। राजस्व मंत्री के राजन ने भी इसी तरह की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि पीएम श्री योजना में शामिल होने का कोई भी निर्णय सरकारी स्तर पर नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा मामला है जिस पर आवश्यक परामर्श की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि हालांकि केंद्र राज्य पर दबाव डाल रहा है लेकिन केरल उसके सामने नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय योजना के संदर्भ में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038.

निविदा सूचना

निम्नलिखित ई-निविदाएँ IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि वे **https://www.ireps.gov.in** पर लॉगिन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

क्र. सं.	निविदा संख्या	खुली निविदा फाइल संदर्भ संख्या	कार्य का नाम	मात्रा	निविदा बंद होने तथा खुलने की तारीख और समय
1	20254712119 86-ओटी 08-हाइरिंग	एमएल/सी/ओटी/08/हाइरिंग/एलएचबी/2025-26	एलएचबी डिवीजन / सडिका में एमआईजी/एमएजी वेल्डिंग सेटों की हाइरिंग और रखरखाव	304 सेट	04.11.2025 को 15:00 बजे

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै - 600 038.

निविदा सूचना सं. 2025499211993

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। फर्मों से अनुरोध है कि, वे **www.ireps.gov.in** पर लॉग इन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य (रु).
2025499211993	आईसीएफ में एलएचबी कोचों के लिए सीटों और बर्थों के निर्माण और स्थापना हेतु कार्य अनुबंध।	2,52,76,780/-

निविदा बंद होने की तारीख:12.11.2025 को 14:45 बजे / खुलने की तारीख: 12.11.2025 को 15:00 बजे. उपरोक्त विज्ञापन का हिंदी संस्करण **https://icf.indianrailways.gov.in/** पर उपलब्ध हैं।

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/फर-III

भारत सरकार
पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो)
(पूर्व नाम विस्फोटक विभाग)

चेतावनी

भारत सरकार के विज्ञापन संख्या G.S.R.-682 (E) दिनांक 5.10.1999 के अनुसार समस्त जनता को सूचित किया जाता है कि लडी माला सहित ऐसी आतिशबाजी जिसकी ध्वनिस्तर 125 db (A1) से अधिक हो, उसका उत्पादन, विक्रय तथा प्रयोग पहले से ही प्रतिबंधित किया जा चुका है. इस प्रकार की आतिशबाजी का उत्पादन, विक्रय तथा प्रयोग गैर कानूनी है और जो व्यक्ति इसका उल्लंघन करता पाया जावेगा वह नियमानुसार दंड का अधिकारी होगा. दीपावली त्यौहार में सुरक्षा की दृष्टि से निम्नलिखित सावधानियां बरती जायें,

करें

* केवल, माननीय सुप्रीम कोर्ट के विनिर्देशो के अनुपालन में किसी विश्वमनीय अनुजसिधारक व्दारा विनिर्मीत आतिशबाजी ही खरीदे.
* हमेशा वयस्क व्यक्ति के निर्देशन में ही आतिशबाजी का प्रयोग किया जाएं.
* आतिशबाजी पर अंकित सुरक्षा उपायों का कडाई से पालन किया जाएं.
* आतिशबाजी को सुलगाने हेतु मोमबत्ती या अगरबत्ती का प्रयोग किया जाएं.
* प्रारंभिक छुटपुट आग को, बुझाने हेतु हमेशा पानी से भरी बाल्टी तैयार रखे.
* हवाई आतिशबाजी को हमेशा सुरक्षित भूमि क्षेत्र में ही छुटाएं.
* आतिशबाजी को पानी से सही प्रकार से भिगोकर ही फेंकें.

न करें

* बस्टिंग पाइंट से 4 मीटर की दूरी पर जलाने पर जिन आतिशबाजीयों का ध्वनीस्तर 125 डिबी(ए1) या 145 पीके से अधिक है उनका निर्माण, बिक्री या उपयोग प्रतिबंधित है. एकल आतिशबाजी (जिसमें एक दुमरे से जुडे हुए पटाखे सम्मेलित है) के लिए, उपरोक्त सीमा 5 लॉग 10 (एन) डीबी से घटाई जाएं, जहां एन, कुल जुडे हुए आतिशबाजी की संख्या के बराबर है.
* रात 10 से सुबह 6 बजे के बीच में आतिशबाजी न जलाएं.
* हाथ में पकडकर पटाखे ना सुलगाएं, पहले नीचे रखें, फिर उन्हें सुलगाएं तथा वहां से हट जाएं.
* किसी भी आतिशबाजी को सुलगाने हेतु किसी डिब्बे में न रखे.
* सही तरीके से कार्य न करनेवाले किसी भी पटाखे को प्रयोग में न लाएं.
* कभी भी ऐसे स्थान पर हवाई आतिशबाजी न छुटाएं जहां पर ऊपर आसमान में जाने के लिए रुकावट हो जैसे पेड, पत्ते, तार इत्यादि.
* खुली इमारत के पास कभी भी हवाई आतिशबाजी न सुलगाएं, खुली खिडकी या खुले दरवाजों से भी हवाई आतिशबाजी अंदर जाकर आग का कारण बन सकती है.
* घरों के भीतर आतिशबाजी का प्रयोग ना करें.
* सार्वजनिक आने-जाने के रास्ते पर पटाखे न जलाएं.
* कभी भी अपने आप पटाखों का निर्माण या उनपर प्रयोग न करें.
* बुझे पटाखे को पुन: जलाने की कोशिश न करें. 15-20 मिनट इंतजार करें तदोपरांत उसे पानी से भरी बाल्टी में डुबों दें.
* नकली व अवैध पटाखों का प्रयोग न करें.
* बच्चों को अकेले पटाखे जलाने की अनुमति ने दें.

CBC 05209/12/0004/2526

पेट्रोलियम तथा विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पेसो) (पूर्व नाम विस्फोटक विभाग) व्दारा जनहित में जारी

दीपावली मिलन कार्यक्रम वोकल फॉर लोकल को अपनाते हुए स्थानीय उत्पादों की करें खरीद : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली महोत्सव के अवसर पर आमजन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनकी खुशहाली और समृद्धि की कामना की है।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर दीपावली मिलन कार्यक्रम के अन्तर्गत आमजन से मुलाकात कर रहे थे। इस अवसर पर शर्मा ने आमजन से दीपावली महोत्सव के दौरान स्थानीय उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि इससे वोकल फॉर लोकल को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को अधिक गति मिलेगी। शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी दरों में कमी कर रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं में राहत पहुंचाई है।

इससे आमजन, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारी सहित सभी वर्गों को बड़ी राहत मिल रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आमजन से आत्मीयता के साथ रामा-श्यामा करते दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान बड़े-बुजुर्गों ने मुख्यमंत्री को आशीर्वाद दिया।

चित्तौड़गढ़ के डूंगला एवं बोहेड़ा में 24 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से बनेगा आधुनिक स्वास्थ्य ढांचा

जयपुर/दक्षिण भारत । स्वस्थ राजस्थान, समृद्ध भारत की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने रविवार को चित्तौड़गढ़ जिले के डूंगला एवं बोहेड़ा (बड़ीसादड़ी) ग्रामों में लगभग 24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) का भूमि पूजन किया। राज्यपाल गुलाबचन्द कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन के अनुरूप देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। इस दौरान उन्होंने खेल मैदान, सीसी सड़क एवं अटल पथ का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि आज देश में चिकित्सा सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है, हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं, गांव-गांव तक सड़कें और स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं, किसानों के खातों में योजनाओं के तहत सीधे पैसे जमा हो रहे हैं और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है।

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि डूंगला में 16 करोड़ 99 लाख रुपये की लागत से 50 बेड का आधुनिक अस्पताल तथा बोहेड़ा में 7 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से 30 बेड का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाया जाएगा। इन केंद्रों में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरण, प्रसूति कक्ष, ऑपरेशन थिएटर, लैब, दवा वितरण केंद्र और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की संपूर्ण व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर आसपास के सैकड़ों गांवों को इन केंद्रों से लाभ मिलेगा।

राज्यपाल कटारिया ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को घर-आंगन पर ही उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों की सफलता तभी संभव है जब आमजन इनका पूर्ण लाभ लें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें। उन्होंने कहा कि आप लोगों के कारण ही मैं आज इस पद तक पहुंच पाया हूं, आपके सहयोग और विश्वास ने ही मुझे निरंतर सेवा का अवसर दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं, ताकि ग्रामीणों को शीघ्र स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री गौतम दक ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने पहले ही बजट में बड़ी सादड़ी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक घोषणाएँ की हैं।

रूप चतुर्दशी पर महिलाओं ने निखारा रूप, गोविंद देवजी मंदिर में मनाया सौभाग्य पर्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पंचदिवसीय दीपोत्सव के दूसरे दिन रविवार को रूप चतुर्दशी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में सौभाग्य पर्व का भव्य आयोजन हुआ। महिलाओं ने अखंड सुख-सौभाग्य की कामना के साथ ठाकुरजी का विशेष पूजन किया और गृहलक्ष्मी रूप में अपने सौंदर्य एवं सौभाग्य का प्रतीकात्मक उत्सव मनाया।कार्यक्रम के अंतर्गत तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली ने महालक्ष्मी-गायत्री महायज्ञ का वैदिक विधि से संचालन किया गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के व्यवस्थापक सोहनलाल शर्मा के सान्निध्य में दिनेश आचार्य ने प्रज्ञा गीतों के साथ यज्ञ के ज्ञान विज्ञान पर प्रकाश डाला। मंदिर सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने दीप प्रज्वलित कर महायज्ञ का शुभारंभ किया। घर में सुख-समृद्धि, संपन्नता और दरिद्रता-रोग-शोक नाश के लिए श्रीलक्ष्मी गायत्री महामंत्र से विशिष्ट हवन सामग्री की आहुतियां अर्पित कराई गईं। श्रीवृद्धि के लिए कमल गट्टा और खीर से अग्निदेव को विशेष आहुतियां दी गईं।

श्रद्धालुओं को पूजन-हवन सामग्री मंदिर की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। श्रद्धालुओं को दीपावली पूजन चित्र, गोमय दीपक और सुहाग सामग्री उपहार स्वरूप प्रदान की गई। गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओमप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि लक्ष्मी केवल भौतिक संपन्नता का प्रतीक नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण उपयोग और समाजहित के कार्यों में उसका सदुपयोग ही सच्ची सम्पन्नता है।

गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्थापक मणि शंकर पाटीदार ने कहा कि गायत्री मंत्र जीवन का आधार है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन परिवार सहित सामूहिक रूप से गायत्री मंत्र जप, भजन और प्रार्थना करनी चाहिए, जिससे घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा और सौभाग्य का वास बना रहता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु शामिल हुए। अंत में आरती एवं दीपदान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्राज्ञ स्वाध्याय भवन में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में घंटाकर्ण स्रोत का जाप का आयोजन

भीलवाड़ा। जिस प्रकार घने वृक्ष की छाया में बैठकर इंसान ताजगी का अनुभव करता है उसी तरह जिनशासन एक ऐसा कल्पवृक्ष है जिसकी छत्रछाया में आने वाला इंसान चिंतारहित हो जाता है। जिनशासन की सेवा करने से तीर्थंकर गौत्र का बंध होता है एवं भौतिक लब्धि की प्राप्ति भी होती है। जिनशासन की महता समझाने का कार्य उत्तराध्ययन सूत्र करता है।ये विचार युगदृष्टा आचार्य ज्ञानचंद्रजी म.सा. की आज्ञानुवर्ति परम विदुषी तप दीप्ति महाश्रमणी रत्ना महासाध्वी प्रवीणाश्रीजी म.सा. ने अरिहन्तमार्गी जैन महासंघ के तत्वावधान में भीलवाड़ा के प्राज्ञ स्वाध्याय भवन में शनिवार को प्रवचन के दौरान महावीर गाथा का वाचन करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र में दो हजार गाथाएं है ओर इसे पढ़ने या सुनने से बेला तप का लाभ प्राप्त होता है। उन्होंने विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से वीर प्रभु की भक्ति का महत्व बताते हुए कहा कि शुद्ध भावों के साथ जो प्रभु भक्ति करता है उस पर आया हुआ हर संकट टल जाता है। परमात्मा की भक्ति करते हुए आत्मा एक दिन अपनी मंजिल को प्राप्त कर सकती है। परमात्मा की भक्ति से प्राप्त होने वाला सुख ही सच्चा आनंद होता है।

विधायक गोपाल शर्मा ने 10 करोड़ रुपए की लागत से सड़कों के नवीनीकरण का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति प्रदान करते हुए विधायक गोपाल शर्मा ने शनिवार को वरिष्ठ नागरिक संतोष मेहरा और कैलाशचंद्र वर्मा के द्वारा 10 करोड़ रुपए की लागत से डामर और सीसी सड़कों के नवीनीकरण कार्यों का शिलान्यास करवाया। शुभारंभ समारोह वार्ड 45 के तेजाजी चौक स्थित सुशीलपुरा सामाजिक विकास सेवा संस्थान परिसर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों में उत्साह और प्रसन्नता का माहौल रहा। समारोह की अध्यक्षता पार्षद चेयरमैन धीरज शर्मा ने की।

विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि यह परियोजना सिविल लाइंस के 24 वार्डों में सड़क सुविधाओं को बेहतर बनाएगी। जिन गलियों में पक्की सड़कें नहीं थीं, वहां नई सड़कें बनेंगी, और क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत होगी। यह दीपावली के अवसर पर क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण उपहार है। विधायक शर्मा ने इस परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। क्षेत्रवासियों ने विधायक शर्मा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार का आभार जताते हुए कहा कि इन सड़कों के निर्माण से आवागमन में सुविधा और राहत मिलेगी।इस मौके पर चेयरमैन पार्षद रवि प्रकाश सैनी, पवन शर्मा नटराज, राजेश कुमावत, पूनम शर्मा, अंशु शर्मा, मनोज मुद्गल, बनीपार्क मंडल अध्यक्ष निखिल वर्मा, पार्षद प्रत्याशी मीना मीणा, अनिल बागड़ा, मनोज रावत, श्याम सुंदर अग्रवाल, वार्ड अध्यक्ष हरिनारायण मेहरा, बूथ अध्यक्ष बाबूलाल देवंदा और सुशीलपुरा सामाजिक विकास सेवा संस्थान के सदस्य रतन यादव, विनोद यादव, मदन यादव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आशीर्वाद

अंता विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने रविवार को कोयला गांव में जनसंपर्क अभियान के दौरान छप्पन जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

दीया कुमारी ने इंजीनियरों को दी चेतावनी

गलत या अधूरी रिपोर्ट देने वालों पर होगी कार्रवाई

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले इंजीनियरों को चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए है कि जो अधिकारी या इंजीनियर मौके पर निरीक्षण नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेताया कि गलत या अधूरी रिपोर्ट देने वालों पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई तय है। सरकार निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करेगी। सभी विभागीय अधिकारियों को फील्ड विजिट अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नवंबर तक अधूरे निर्माण कार्यों को हर हाल में पूरा करने के आदेश भी दिए।

खराब सड़कों की मरम्मत के लिए सरकार ने बजट जारी कर दिया है। अब जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की है कि वे तय समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण काम सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सरकार की नीति स्पष्ट हैसमयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य ही प्राथमिकता है। दीया कुमारी ने चेतावनी दी कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती घायलों से मिले, जानी कुशलक्षेम, संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पीड़ित परिवारों के साथ : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जैसलमेर बस दुर्घटना में घायल यात्रियों से मिलने महात्मा गांधी अस्पताल के बर्न यूनिट पहुंचे। पटेल ने घायलों की कुशलक्षेम पूछी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने परिजनों से संवाद करते हुए कहा कि यह घटना अत्यंत पीड़ादायक है, राज्य सरकार इस संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ पूरी तरह खड़ी है। पटेल ने कहा कि चिकित्सा विभाग एवं प्रशासन ने राहत एवं उपचार से संबंधित सभी कार्यों को पूरी सक्रियता के साथ संपादित किया हैं, जिससे घायलों को हरसंभव सहायता और बेहतर चिकित्सा सुविधा समय पर उपलब्ध करवाई जा सकी। उन्होंने दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

पटेल ने कहा कि सभी घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सीय उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों की स्थिति, जलन के प्रतिशत, उपचार पद्धति और संसाधनों की उपलब्धता संबंधी विस्तृत जानकारी ली। संसदीय कार्य मंत्री ने वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सपोर्ट, इंटेंसिव केयर बेड्स, दवाइयों और नर्सिंग स्टाफ की स्थिति की समीक्षा की और प्रत्येक मरीज के समुचित उपचार के लिए 24 घंटे मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल परिसर में परिजनों से भी मुलाकात की और उनके ठहरने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ बी.एस. जोधा, एमजीएच के अधीक्षक डॉ फतेह सिंह भाटी सहित चिकित्सक एवं परिजन उपस्थित रहे।

अंता बनेगा भाजपा की साख का इम्तिहान, संगठन ने उतारी स्टार प्रचारकों की फौज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंता विधानसभा उपचुनाव अब सिर्फ एक चुनाव नहीं, बल्कि बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा की जंग बन गया है। पार्टी ने अपने सबसे बड़े दांव के रूप में 40 स्टार प्रचारकों की लंबी सूची जारी कर दी है और यह सूची बताती है कि संगठन इस सीट को हर हाल में जीतना चाहता है। मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री, प्रदेश प्रभारी से लेकर पुराने दिग्गजों तक बीजेपी ने अंता के रण में अपनी पूरी फौज उतार दी है।

जारी सूची में सबसे आगे हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, जो चुनावी रणनीति का नेतृत्व करेंगे। इनके साथ प्रदेश प्रभारी डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुन राम मेघवाल और भागीरथ चौधरी जैसे चेहरे भी मतदाताओं के बीच पार्टी का संदेश पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रदेश स्तर पर पार्टी ने अपनी पूरी ताकत झोंकते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बेरवा, वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनिया, सीपी जोशी और अलका सिंह गुर्जर को भी मैदान में उतारा है। इन नेताओं का उद्देश्य साफ है संगठन की मजबूती और मतदाताओं में बीजेपी के प्रति भरोसे को और मजबूत करना।

बीजेपी ने इस बार अनुभव और युवा जोश का एक ऐसा मिश्रण तैयार किया है जो स्थानीय समीकरणों को साधने में अहम भूमिका निभा सकता है। पार्टी ने अपने अनुभवी नेताओं में किरोड़ी लाल मीणा, घनश्याम तिवारी, राजेंद्र गहलोत और अरुण चतुर्वेदी को भी शामिल किया है।

इनके साथ ही नए और स्थानीय चेहरों को भी स्टार प्रचारकों की सूची में जगह दी गई है। इनमें मंत्री कनकमल कटारा, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राधेश्याम

बेरवा, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, हेमंत मीणा, अविनाश गहलोत, प्रभुलाल सैनी और कल्पना सिंह जैसे नेता शामिल हैं। इसके अलावा स्थानीय प्रभाव वाले नेताओं में बाबूलाल खराड़ी, नरेंद्र नागर, कन्हैयालाल चौधरी, दुष्यंत सिंह, डॉ. मन्नालाल रावत, मोतीलाल मीणा, हीरालाल नागर, मुकेश दाधीच, ओमप्रकाश भड़ाना, गौतम दक, जोगाराम पटेल, बाबूलाल वर्मा, जितेंद्र गोठवाल और ललित मीणा को भी प्रचार अभियान में अहम जिम्मेदारी दी गई है।

बीजेपी की इस रणनीति से साफ झलकता है कि पार्टी ने अंता उपचुनाव को केवल एक सीट की लड़ाई नहीं, बल्कि अपनी साख का सवाल मान लिया है। प्रदेश में सत्ता में आने के बाद यह उपचुनाव पार्टी के लिए पहली बड़ी परीक्षा है। ऐसे में शीर्ष नेतृत्व कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। 40 स्टार प्रचारकों की यह टीम केवल भाषण देने नहीं, बल्कि माइक्रो मैनेजमेंट के जरिए बूथ स्तर तक मतदाताओं से संवाद बनाने की जिम्मेदारी निभाएगी। पार्टी का फोकस अंता के जातीय और स्थानीय समीकरणों को साधने पर है ताकि विपक्ष के लिए कोई भी गलियारा खुला न रह जाए। राजस्थान की राजनीति पर नज़र रखने वाले विश्लेषकों का मानना है कि अंता उपचुनाव न केवल स्थानीय बल्कि प्रदेश स्तरीय सियासत की दिशा तय कर सकता है। बीजेपी के लिए यह सीट सत्ता में आने के बाद जनता के मूड को समझने का अवसर भी है।

हमारी पूरी कोशिश है कि लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाया जाए : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि सरकार की पूरी कोशिश है कि लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाया जाए।

अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ के तीन दिवसीय दौरे के अंतिम दिन रविवार को जानकीपुरम सेक्टर-एफ में विभिन्न परियोजनाओं की शुरुआत के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, लखनऊ के विकास के प्रति हमारी पूरी प्रतिबद्धता है और हमारी पूरी कोशिश है कि लखनऊ को विश्वस्तरीय शहर बनाया जाए। सिंह ने कहा, बिना ईश्वर की मर्जी के कुछ नहीं होता। हम सांसद रहें या न रहें, लेकिन लखनऊ के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता कायम रहेगी। दुनिया के कई देशों में लखनऊ नाम के शहर हैं। चार दिन पहले मैं ऑस्ट्रेलिया से लौटा हूं, वहां भी लखनऊ है। लेकिन मैं चाहता हूं कि यह हमारा लखनऊ विश्वस्तर का बने। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के विकास की जहां तक बात है, जितना संभव हो सका है, मैंने करने की कोशिश की है। आज मैं जो भी काम कर पा रहा हूं, वह श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के आशीर्वाद से संभव हो रहा है। इस अवसर पर उन्होंने सामुदायिक केंद्र और पुस्तकालय का लोकार्पण किया, साथ ही पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं का डिविजट माध्यम से अनावरण भी किया।

राजनाथ सिंह ने कहा, लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल का कारखाना स्थापित हो चुका है, जो शहर के औद्योगिक विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा, यह सामुदायिक केंद्र हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा बनाया गया है, जो रक्षा मंत्रालय के अधीन है। एचएएल करिश्माई कार्य कर रहा है और तीन दिन पहले नासिक में एचएएल की इकाई ने 4.5 जेनरेशन का फाइटर प्लेन तैयार किया है, जिसका उद्घाटन मैंने किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि शादी-विवाह और अन्य उत्सवों में स्थान की समस्या को देखते हुए उन्होंने संकल्प लिया है कि अपने संसदीय क्षेत्र की सभी पांचों विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक सामुदायिक केंद्र बनवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा, हमारी कोशिश है कि लखनऊ में ऐसा एक भी पार्क न बचे जहां ओपन जिम की व्यवस्था न हो। बाद में उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, आज लखनऊ में यशस्वी रक्षामंत्री एवं लखनऊ लोकसभा से जनप्रिय सांसद आदरणीय राजनाथ सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति में एलडीए द्वारा आयोजित पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय पं. अटल बिहारी वाजपेयी जी की निर्मित प्रतिमा के अनावरण एवं सामुदायिक केंद्र तथा पुस्तकालय के लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ।

टिकट नहीं मिलने पर फूट-फूटकर रोए राजद नेता, कपड़े फाड़े, रुपए मांगने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे को लेकर रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद के आवास के बाहर नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला, जब टिकट न मिलने पर एक नेता फूट-फूटकर रोने लगे, अपने कपड़े फाड़ लिए और सड़क पर लेट गए।

मधुबन सीट से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे मदन साह ने आरोप लगाया कि उनसे टिकट देने के एवज में 2.70 करोड़ रुपए मांगे गए थे। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। साह ने पत्रकारों से कहा, मैं लंबे समय से पार्टी से जुड़ा हूं। 2020 में मैंने इसी सीट से चुनाव लड़ा था और बहुत कम अंतर से भाजपा के उम्मीदवार से हार गया था। इस बार टिकट मिलने का पूरा भरोसा था। मुझसे कहा गया कि 2.70 करोड़ रुपए दो। मैंने अपने बच्चों की शादी तक टाल दी और रुपयों की व्यवस्था की। अब मैं पूरी तरह बर्बाद हो गया हूं। कम से कम मेरे रुपए तो लौटा दें। राजद नेताओं ने इस आरोप पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है कि पार्टी के किसी पदाधिकारी ने उनसे टिकट के बदले रुपए मांगे थे। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया सोमवार को समाप्त हो रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मधुबन सीट पर राजद स्वयं उम्मीदवार उतारेगा या यह सीट गठबंधन के किसी सहयोगी दल को सौंपी जाएगी।

जैन समुदाय ने 186 लक्जरी कार खरीदीं, छूट के रूप में 21 करोड़ रुपये बचाए

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में जैन समुदाय ने 21 करोड़ रुपये की छूट प्राप्त कर 186 महंगी (लक्जरी) कारें घर लाकर अपनी जबर्दस्त खरीद क्षमता दिखाई है। जैन अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन (जेआईटीओ) के उपाध्यक्ष हिमांशु शाह ने शनिवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि बीएमडब्ल्यू, ऑडी और मर्सिडीज जैसे लक्जरी वाहन ब्रांड के साथ यह 'अपनी तरह का अनूठा सौदा' जेआईटीओ द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि जेआईटीओ एक गैर-लाभकारी सामुदायिक संस्था है जिसके पूरे भारत में 65,000 सदस्य हैं। शाह ने कहा, ''ये 186 लक्जरी कारें, जिनमें से प्रत्येक की कीमत 60 लाख रुपये से 1.3 करोड़ रुपये के बीच है, इस साल जनवरी से जून के बीच पूरे भारत में उनके मालिकों को सौंप दी गईं। जेआईटीओ के राष्ट्रव्यापी अभियान से हमारे सदस्यों को छूट के रूप में 21 करोड़ रुपये की बचत हुई।''

शुभेंदु ने अपनी कार पर हमले का आरोप लगाया, तृणमलू ने इसे 'लोगों का गुस्सा' बताया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने दक्षिण 24 परगना जिले में उनकी कार पर हमला किया, जहां वह काली पूजा और दिवाली उत्सव में हिस्सा लेने गए थे। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने शुभेंदु के आरोपों को खारिज किया और उनकी कार पर हमले की घटना को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लोगों की नाराजगी का नतीजा करार दिया। शुभेंदु ने दावा किया कि उनकी कार को कम से कम सात जगहों पर रोकने की कोशिश की गई और लालपुर मदरसे के सामने उस पर हमला हुआ। उन्होंने 'एक्स' पर घटना का कथित वीडियो साझा करते हुए लिखा, आज दक्षिण 24 परगना जिले में मुझे कई बार अवैध बांग्लादेशी मुसलमानों के हमलों का सामना करना पड़ा। बाधा, बर्बरता और अराजकता की साजिश किसी और ने नहीं, बल्कि तृणमूल कांग्रेस की जिला परिषद सदस्य रेखा गाजी ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) कोटेश्वर राव की सहायता और समर्थन से रची। शुभेंदु ने कहा, मैं किसी राजनीतिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने नहीं जा रहा था, बल्कि एक हिंदू के रूप में काली पूजा और दिवाली उत्सव में शामिल होने जा रहा था। उन्होंने दावा किया कि हमलावर मुख्य रूप से अवैध घुसपैठिये थे, जो मतदाता सूची के एसआईआर के कारण अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

मथुरा: करीब 54 साल बाद खोला गया बांके बिहारी मंदिर का खजाना

मथुरा (उप्र)/भाषा। मथुरा जिले में स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर के 1971 से बंद 'तोशाखाना' (खजाना) को उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित उच्चाधिकार प्राप्त समिति के आदेश पर धनतेरस (शनिवार) को करीब 54 वर्षों बाद खोला गया। एक अधिकारी ने रविवार को इसकी पुष्टि की। उच्चतम न्यायालय ने अगस्त 2025 के अपने आदेश में मंदिर के दैनिक कार्यों की देखरेख के लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय उच्चाधिकार प्राप्त अंतरिम समिति का गठन किया था। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा ने बताया, दीवानी न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) की देखरेख में, चार गोस्वामी सदस्यों सहित अन्य सदस्यों के साथ खजाने के कमरे को खोला गया। उन्होंने बताया, कमरा खोलने में कुछ कठिनाई हुई। प्रक्रिया अपराह्न एक बजे शुरू हुई और शाम पांच बजे समाप्त हुई। इसके बाद कमरे को दोबारा सील कर दिया गया। कमरे में कुछ पीतल के बर्तन, लकड़ी की वस्तुएं, कुछ बक्से और लकड़ी के संदूक मिले, लेकिन कोई कीमती धातु नहीं मिली।

पूर्वी तटीय रेलवे के कोत्तवलसा- किरन्दुल रेलमार्ग पर मालगाड़ी पटरी से उतरी

भुवनेश्वर/भाषा। आंध्र प्रदेश के कोत्तवलसा-किरन्दुल (केके) रेलमार्ग पर त्याडा और चिमिडिपल्ली रेलवे स्टेशनों के बीच रविवार को एक मालगाड़ी पटरी से उतर गई। यह हादसा पटरी पर बड़ा पत्थर पटरी पर आ जाने से हुआ। पूर्वी तटीय रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना सुबह तड़के चार बजे हुई जब विशाखापत्तनम जाने वाली मालगाड़ी बचेली से आ रही थी। अधिकारी ने बताया कि इस घटना में इंजन के दो एक्सल पटरी से उतर गए। उन्होंने बताया कि रेलवे अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं और मरम्मत का काम युद्धस्तर पर चल रहा है एवं शाम तक रेल सेवाएं सामान्य हो जाने की उम्मीद है। अधिकारियों ने बताया कि विशाखापत्तनम-किरंदुल सवारी गाड़ी दोनों तरफ से रद्द कर दी गई है।

सपा प्रमुख अखिलेश कट्टरपंथियों और जिहादियों के वोट के मोह में अंधे हो गए हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वार्षिक अयोध्या दीपोत्सव कार्यक्रम के दौरान दीये जलाने संबंधी टिप्पणी के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह 'कट्टरपंथियों और जिहादियों' के वोट के मोह में इतने अंधे हो गए हैं कि उन्होंने खुद के समुदाय के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया है।

तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राज्यसभा सदस्य और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, अखिलेश यादव कट्टरपंथियों और जिहादियों के वोट के मोह में इतने अंधे हो गए हैं कि अब वह अपने ही यादव समुदाय के खिलाफ बोलने लगे और प्रजापति समुदाय से उसकी समृद्धि भी छीनना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी टिप्पणी विपक्षी गुट 'इंडिया' की मानसिकता और भारतीय संस्कृति, हिंदू धर्म तथा दीये बनाने वाले प्रजापति समुदाय के प्रति 'घृणा' को भी दर्शाती है। त्रिवेदी ने कहा, उनकी टिप्पणी 'इंडी' गठबंधन की मानसिकता से प्रेरित है, जो सनातन धर्म के उन्मूलन का आह्वान करता है, या राहुल गांधी से प्रेरित है जो कहते हैं कि उन्हें हिंदू धर्म की शक्ति के खिलाफ लड़ना है। यादव की टिप्पणी को 'निंदनीय' बताते हुए भाजपा नेता ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, यह विदेशी मानसिकता का कैसा प्रभाव है कि वे इसे (दिवाली पर दीये जलाने को) लेकर दोषी महसूस कर रहे हैं? यह दुखद है कि आज ऐसा कलियुग दिखाई दे रहा है।

पार्टी कहेगी तो 2029 का लोकसभा चुनाव लड़ूंगी, लेकिन सिर्फ झांसी से: उमा भारती

भोपाल/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने रविवार को दोहराया कि अगर पार्टी कहेगी तो वह 2029 का लोकसभा चुनाव लड़ेंगी, लेकिन सिर्फ उत्तर प्रदेश की झांसी लोकसभा सीट से। उमा भारती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, मैंने ललितपुर के आत्मीय मीडियाकर्मियों से कहा है कि यदि पार्टी कहेगी तो 2029 का चुनाव जरूर लड़ूंगी, लेकिन मैं सिर्फ झांसी लोकसभा सीट से ही चुनाव लड़ूंगी। उन्होंने इस पोस्ट में भाजपा के केंद्रीय एवं मध्यप्रदेश नेतृत्व को भी 'टैग' किया है। भारती ने शनिवार को ललितपुर में मीडियाकर्मियों से कहा था, मैं सिर्फ झांसी से ही चुनाव लड़ूंगी। बुंदेलखंड मेरा भावनात्मक घर है और वहां की जनता से मेरा गहरा नाता है। अगर पार्टी कहेगी, तो मैं जरूर चुनाव लड़ूंगी।

उमा भारती 2014 के लोकसभा चुनाव में झांसी संसदीय क्षेत्र से सांसद चुनी गई थीं। उन्होंने इसी साल अगस्त में कहा था कि वह अभी राजनीति से दूर नहीं हुई हैं और समय आने पर चुनावी मैदान में उतरेंगी। भाजपा पिछले तीन लोकसभा चुनावों से लगातार झांसी सीट से विजयी रही है। वर्तमान में भाजपा के अनुराग शर्मा इस सीट से लगातार दूसरी बार सांसद हैं।

अखिलेश यादव तत्काल अपना बयान वापस लेकर हिंदुओं से माफी मांगें : मौर्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दीपावली पर्व को लेकर दिए गए कथित बयान पर तत्काल हिंदुओं से माफी मांगने की मांग की है और उन्हें सनातन विरोधी करार दिया।

मौर्य ने रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, सपा मुखिया अखिलेश यादव जी, आपसे अनुरोध है कि तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति के लिए हिंदू आस्था का अपमान करना बंद करें। उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति में दीपदान सदियों पुरानी परंपरा है, जो प्रकाश, सद्भाव, आस्था और श्रद्धा का प्रतीक है। आपने दीपावली पर दीये बेचने वाले प्रजापति समाज के रोजगार को भी छीनने का घिनौना कृत्य किया है। मौर्य ने कहा, आपके ओछे बयान ने प्रदेशवासियों सहित संपूर्ण भारत और विश्वभर में दीपोत्सव मनाने वालों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। आप तत्काल अपना बयान वापस लें और हिंदुओं से माफी मांगें।

शनिवार को लखनऊ में अखिलेश यादव ने दीपोत्सव समारोहों को लेकर पूछे गए सवाल पर संवाददाताओं से कहा था, दुनिया में इस समय, क्रिसमस के समय पूरा शहर जगमगा उठता है और महीनों तक रोशनी रहती है। जरा इनसे सीखो। दीयों और मोमबत्तियों पर बार-बार खर्च क्यों हो रहा है, और यह सब मंथन क्यों?'' उन्होंने कहा, हम इस सरकार से क्या उम्मीद करें? ऐसी सरकारों को हटा देना चाहिए। हम बहुत सुंदर रोशनी करेंगे। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए यादव को सनातन विरोधी मानसिकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा, सपा प्रमुख अखिलेश यादव जी की सनातन विरोधी मानसिकता एक बार फिर उजागर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया, सपा प्रमुख कभी हिंदू रीति-रिवाजों एवं आस्था से खिलवाड़ करते हैं, तो अब त्योहारों पर भी टिप्पणी करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। चौधरी ने कहा, एक ओर जहां समस्त देशवासी दीपावली के पावन अवसर पर हर्षोल्लास के साथ स्वदेशी वस्तुओं की खरीददारी कर उत्सव मना रहे हैं, वहीं सपा प्रमुख इसे पैसों की बर्बादी बता रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया, अखिलेश जी, हिंदू धर्म और उनकी पवित्र आस्था के लिए भाजपा सरकार सदैव सजग और तत्पर है। आप जो दीए और मोमबत्तियों की खरीदारी को पैसों की बर्बादी कह रहे हैं, आप उस समय यह बात क्यों नहीं सोचे जब आप अपनी ही सरकार में कब्रिस्तानों की 'बाउंड्री' (चारदीवारी) बनवाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रहे थे और ईद-मोहर्रम जैसे कार्यक्रमों में मंच साझा कर रहे थे, तब आपको पैसे की बर्बादी नहीं समझ में आई थी?

कोलकाता के 'बाजी बाजार' में 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम वाले पटाखों की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के बाजी बाजार में इस बार 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम वाले पटाखों की धूम है। व्यापारियों ने बताया कि दिवाली और काली पूजा को देखते हुए इस बार हेलीकॉप्टर, ड्रोन और गोले के आकार वाले पटाखे बाजार में खूब छाए हुए हैं।

दक्षिण भारत के शिवकाशी और पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के चंपाहाटी एवं नुंगी के पटाखा निर्माताओं ने रणनीतिक नामकरण और सैन्य डिजाइन वाले खास पटाखे बनाए हैं, जो आतिशबाजी के बाद आसमान में अलग ही समा बांध देंगे। ताला पार्क में 'नॉर्थ डिविजन बाजी बाजार' के अध्यक्ष मिलन दत्ता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हेलीकॉप्टर और ड्रोन के आकार के पटाखे, मिसाइल जैसे गोले, राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों को अपने पंखों में उकेरे 'मोर' इस साल के नए आविष्कार हैं और हर ग्राहक पारंपरिक वस्तुओं जैसे फुलझड़ियां, रॉकेट आदि के साथ-साथ इन उत्पादों को खरीदने में भी काफी रुचि दिखा रहा है।

दत्ता की बातों से सहमति जताते हुए पटाखा निर्माताओं की शीर्ष संस्था पश्चिम बंगो आतिशबाजी उन्नयन समिति के सचिव बाबला रॉय ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के थीम वाले पटाखों की मांग जोरों पर है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत नियंत्रण रेखा के पार और पाकिस्तान के भीतर आतंकी ढांचों पर सटीक हमले किए थे। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। दत्ता ने दावा किया कि सभी पटाखे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) के मानकों का पालन करते हैं। उन्होंने बताया कि 14 अक्टूबर से जब 'बाजी बाजार' खुला तो उनके पटाखे के स्टॉल पर हर दिन 40,000 से 50,000 रुपए की बिक्री हुई।

अरुणाचल प्रदेश : अपहृत दो मजदूर उग्रवादियों के चंगुल से छुड़ाए गए

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश में उग्रवादियों द्वारा अपहृत दो मजदूरों को रविवार को तिरप जिले से मुक्त करा लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एनएससीएन के सात-आठ सशस्त्र सदस्यों ने शनिवार शाम करीब चार बजे दादम क्षेत्र के लाहू गांव में सड़क निर्माण कार्य में लगे दो मजदूरों का अपहरण कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर उग्रवादियों को रोकने और अपहृत मजदूरों को बचाने के लिए नगीसा के नोकना और नगिन्नू के नोकना में जाल बिछाया गया।

असम राइफल्स ने बताया, चूंकि रात भर कोई हलचल नहीं हुई, इसलिए सुबह होते ही तलाशी अभियान शुरू किया गया। सुबह 5.50 बजे, सुरक्षा बलों की एक टुकड़ी पर उग्रवादियों ने गोलीबारी की। हमारे जवानों ने अपहृत मज़दूरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए छोटे हथियारों और मोर्टार से जवाबी कार्रवाई की। अर्धसैनिक बल ने बताया कि गोलीबारी और तलाशी के बाद दोनों मजदूरों को सफलतापूर्वक बचा लिया गया।

रोहित, कोहली ने वापसी पर किया निराश, ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में भारत को सात विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पर्थ/भाषा। विराट कोहली और रोहित शर्मा की लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कुल मिलाकर सिर्फ 22 गेंदों तक चली और उनके फीके प्रदर्शन का असर मैच के परिणाम पर भी दिखा जहां ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को बारिश से प्रभावित मुकाबले में भारत पर 29 गेंद शेष रहते सात विकेट की आसान जीत दर्ज की।

भारतीय पारी के दौरान लगातार बारिश की वजह से मुकाबला 26-26 ओवर का कर दिया गया था। भारत ने संघर्ष करते हुए नौ विकेट पर 136 रन बनाये लेकिन ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ लुइस पद्धति से जीत के लिए 131 रन का लक्ष्य मिला। टीम ने 21.1 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेविस हेड (आठ) ने शुरुआत में ही अर्शदीप सिंह की गेंद पर डीप थर्ड मैन पर हर्षित राणा को कैच थमा दिया। इसके बाद क्रीज पर आये मैथ्यू शॉर्ट (आठ) भी बिना कोई खास योगदान दिए पवेलियन लौट गए। कप्तान और स्थानीय गेंदबाज मिशेल मार्श (नाबाद 46 रन, 52 गेंद) ने जोश फिलिप (37 रन, 29 गेंद) के साथ तीसरे विकेट के लिए 55 रनों की आक्रामक अहम साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया का दबदबा बनाये रखा। अर्शदीप, मोहम्मद सिराज और हर्षित राणा की भारतीय तेज गेंदबाजों की तिकड़ी ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों जैसा नियंत्रण नहीं दिखा पाई। इन गेंदबाजों ने मेजबान टीम को आसानी से रन बनाने के मौके दिए।

मार्श ने उनकी खराब लाइन-लेंथ का फायदा उठाते हुए तीनों की गेंदों पर एक-एक छक्का जड़ा। इस दौरान सिराज की गेंद पर कवर क्षेत्र के ऊपर से लगाया गया छक्का मुख्य आकर्षण रहा। फिलिप ने भी आक्रामक पारी खेलकर अपने कप्तान का शानदार तरीके साथ साथ दिया। उनके आउट होने के बाद पदार्पण कर रहे मैट रेनशॉ ने नाबाद 21 रन की पारी खेल कर ऑस्ट्रेलिया को शृंखला में 1-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम अपनी पारी की शुरुआत से ही किसी तरह की लय हासिल करने में नाकाम रही। बारिश के कारण कई बार खेल रुकने से स्थिति और मुश्किल हो गई। लोकेश राहुल (30 गेंद में 38 रन) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज सहज नहीं दिखा। ऑस्ट्रेलिया ने बादलों की आंख-मिचौली के बीच तेज गेंदबाजों की मददगार ऑप्टस स्टेडियम में पहले गेंदबाजी का फैसला किया जो सही साबित हुआ। रोहित शर्मा (आठ रन) नए कप्तान गिल के साथ क्रीज पर आए तो स्टेडियम में मौजूद दर्शकों जोरदार स्वागत किया, लेकिन उनकी पारी सिर्फ 14 गेंद ही चली।

एनसीबी ने रतलाम में अवैध दवा निर्माण फैक्टरी का भंडाफोड़ किया, फार्मा स्नातक गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/नई दिल्ली/भाषा। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में अवैध दवा बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़ कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक बीटेक और दूसरा बी फार्मा स्नातक है। एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी।

एजेंसी के मुताबिक, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 290 किलोमीटर दूर रतलाम में महू-नीमच रोड पर सेजावता गांव में स्थित अवैध फैक्टरी में पाउडर के रूप में 'अल्प्राजोलम' नामक एक नशीली दवा तैयार की जा रही थी।

एजेंसी ने एक बयान में कहा कि शनिवार को एनसीबी की एक टीम ने 13.76 किलोग्राम अल्प्राजोलम जब्त करके इस फैक्टरी का भंडाफोड़ किया, जिसकी अवैध बाजार में कीमत लगभग 3.44 करोड़ रुपए हो सकती है।

एजेंसी ने कहा कि कार्रवाई के दौरान दवा निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और रसायन भी जब्त किए गए।

'अल्प्राजोलम' स्वापक औषधि एवं मनप्रभावी (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत एक विनियमित दवा है।

बयान में कहा गया है कि 51 वर्षीय बीटेक स्नातक रूप सिंह चौहान और 39 वर्षीय बी फार्मा स्नातक अभिजीत सिंह चौहान को केंद्रीय एजेंसी ने गिरफ्तार कर लिया है।

इसमें कहा गया कि रूप सिंह चौहान को पहले भी तेलंगाना में मादक पदार्थ मामले में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह जमानत पर बाहर है।

एजेंसी के अनुसार, अभिजीत सिंह चौहान पहले रतलाम स्थित इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी से जुड़ा हुआ था।

एजेंसी ने कहा, आरोपियों के तस्करी नेटवर्क, वित्तीय संबंधों और संभावित अंतर-राज्यीय संबंधों की पहचान के लिए विस्तृत जांच जारी है।

सुविचार

भविष्य का डॉक्टर कोई दवा नहीं देगा, लेकिन अपने रोगियों को मानव शरीर की देखभाल, आहार में और बीमारी के कारण और रोकथाम में रुचि देगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

देश में एकता का प्रकाश लाएं

गुजरात में जैन समाज के अग्रणी संगठन 'जीतो' ने 186 कारें खरीदने के लिए जिस सूझबूझ और एकता का प्रदर्शन किया, वह अद्भुत है। इस समाज ने वह मिसाल कायम की है, जिसमें सर्वसमाज की भलाई के लिए बड़ा संदेश है। जैन समाज की एकता के कारण कारों पर 21 करोड़ रुपए की छूट मिली है। अगर ये कारें अलग-अलग खरीदी जातीं, तो भी कंपनी का माल बिकता, लेकिन उस स्थिति में लाभ सिर्फ उस तक सीमित रहता। मिलकर खरीददारी करने से कंपनी को फायदा हुआ, क्योंकि उसे इकट्ठे ऑर्डर मिले, वहीं समाज भी लाभान्वित हुआ। 'एकता में बल है' - यह बात स्कूली किताबों में सबने पढ़ी थी। जैन समाज ने इसे साकार करके दिखा दिया। अगर सर्वसमाज इससे प्रेरित होकर कुछ फैसले ले तो हमारे देश की कई समस्याओं का बहुत जल्द समाधान हो सकता है। किसी दफ्तर के चक्कर लगाने की नौबत ही नहीं आएगी। हम अक्सर सुनते हैं कि लोगों में पढ़ने-लिखने की आदत नहीं रही। एक ही इलाके में खानपान संबंधी चीजों की कई दुकानें मिल जाएंगी, लेकिन पुस्तकालय एक भी नहीं मिलता! मनुष्य का जीवन सिर्फ पेट भरने के लिए तो नहीं मिला है। अगर किसी इलाके का हर परिवार थोड़ा-थोड़ा सहयोग करे तो बहुत अच्छा पुस्तकालय बन सकता है। इससे कई पीढ़ियों का भला हो जाएगा। इसी तरह सर्वसमाज एकजुट हो तो सड़कें, मोहल्ले, सार्वजनिक स्थान बिल्कुल साफ-सुथरे हो सकते हैं। लोगों को 'मैं' और 'मेरा' से आगे बढ़कर 'हम' और 'हमारा' की भावना पैदा करनी होगी। हमारे आस-पास कुछ ऐसे प्रतिभावान बच्चे मिलते हैं, जिनके माता-पिता उन्हें आगे पढ़ाने में समर्थ नहीं होते हैं। अगर सर्वसमाज मदद के लिए आगे आए तो ये बच्चे भविष्य में कमाल कर सकते हैं। कामयाब होने पर बधाई देनेवाले, वॉट्सऐप स्टेटस लगाने वाले तो खूब मिल जाते हैं। संघर्ष के दिनों में मदद का हाथ बढ़ाने वाले कितने मिलते हैं?

हर किसी का सपना होता है कि उसके सिर पर अपनी छत हो। अपना घर बनाते-बनाते जीवन का बहुत बड़ा हिस्सा गुजर जाता है। याद करें, महाराजा अग्रसेन ने बहुत सुंदर सिद्धांत दिया था-'एक ईंट, एक रुपया'। अगर आज लोग उसका पालन करें तो देश में किसी को बेघर न रहना पड़े। गांवों में यह सिद्धांत ज्यादा असरदार साबित हो सकता है। वहां सब लोग एक-दूसरे को जानते हैं। किसी गांव में 2,000 परिवार हों तो घर बनाने के लिए इतनी ईंटों का तुरंत इंतजाम हो सकता है। साथ ही, हर परिवार वर्तमान मुद्रा की क्रय शक्ति को ध्यान में रखते हुए 100-100 रुपए भी दे तो उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा और संबंधित परिवार को घर बनाने में आसानी होगी। हर साल जब फसल कटने के बाद नया अनाज आता है तो शहरों में उसकी मांग होती है। अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि अनाज बहुत महंगा हो गया है। उनका यह कहना गलत नहीं है, क्योंकि खेतों से महानगरों तक पहुंचते-पहुंचते वह कई चरणों से गुजरता है। उधर, किसानों की भी शिकायत रहती है कि उन्हें उपज का वाजिब दाम नहीं मिल रहा है। उन्हें स्थानीय मंडियों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अगली फसल की बुआई का समय होने से नकदी की सख्त जरूरत होती है, इसलिए वे कम कीमत पर सौदा करने को मजबूर हो जाते हैं। अगर कई परिवार एकसाथ अनाज खरीदने के लिए किसानों से सीधे संपर्क करें तो दोनों पक्ष फायदे में रहेंगे। इससे किसानों को तुरंत अच्छी कीमत मिल जाएगी। लोगों को सस्ता अनाज मिल जाएगा। इस दीपावली पर देश में एकता का प्रकाश लाने का संकल्प लें। इससे मां लक्ष्मी सब पर कृपा करेंगी। दीपावली की हार्दिक शुभ कामनाएं।

ट्वीटर टॉक

वंदे भारत ट्रेन में जीआई टैग से सम्मानित सांगानेरी प्रिंट के कंबल कवर को स्थान मिलना राजस्थान की शिल्पकलाओं और सांगानेर के लिए गौरव का क्षण है। यह कला अब देश के कोने-कोने तक पहुंचेगी और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को नई पहचान मिलेगी।

-भजनलाल शर्मा

कोटा के केशवपुरा में राम जानकी मंदिर के नवनिर्मित सिंह द्वार और विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुआ। दीपावली से पहले यह केवल एक द्वार का उद्घाटन नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और विकास के संगम का उत्सव है।

-ओम बिरला

आज बीकानेर प्रवास के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री गोकुल जोशी जी की भाभी जी के निधन होने पर परिजनों से भेंट करके श्रद्धांजलि अर्पित की। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

-अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

हृदय का संगीत

मीरा बाई कृष्ण भक्ति में लीन रहती थीं। एक बार वे मंदिर में बैठकर भजन गा रही थीं और सितार बजा रही थीं। अचानक सितार का तार टूट गया और स्वर बिगड़ गया। पास खड़े कुछ लोग हंसने लगे'अब तुम्हारा भजन कैसे होगा? बिना बाजे के सुर अधूरे ही रहेंगे।' मीरा ने शांत भाव से टूटा हुआ सितार एक ओर रख दिया और दोनों हाथ जोड़कर गाने लगीं। उनकी आंखों से आंसू बह रहे थे, पर स्वर पहले से भी मधुर और हृदयस्पर्शी था। भजन पूरा होने के बाद उन्होंने भक्तों से कहा'संगीत वाद्य से नहीं, हृदय से निकलता है। यदि हृदय कृष्ण से जुड़ा हो तो टूटे तार भी साधन बन जाते हैं। साधन छिन जाने से भक्ति रुकती नहीं, बल्कि और गहरी हो जाती है।' लोग स्तब्ध रह गए। वे समझ गए कि मीरा का समर्पण बाहरी साधनों पर नहीं, बल्कि भीतर की श्रद्धा पर टिका है।

सामयिक

अमावस्या का आध्यात्मिक अर्थ : दान, तर्पण और दीपदान

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

अमावस्या का दिन हिंदू परंपरा में अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक महत्व रखता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, पूर्वज स्मरण और सामाजिक कर्तव्यों की पुनःस्मृति का प्रतीक है। अमावस्या उस क्षण का प्रतिनिधित्व करती है जब चंद्रमा लुप्त होता है और आकाश में केवल अंधकार दिखाई देता है, परंतु इसी अंधकार में आत्मशुद्धि और नई चेतना के बीज भी अंकुरित होते हैं। यही कारण है कि इस दिन को पितृ तर्पण, दान-पुण्य और धार्मिक साधनाओं के लिए सर्वोत्तम माना गया है। हिंदू धर्म में माना गया है कि जीवन केवल शरीर का अस्तित्व नहीं है, बल्कि आत्मा का सतत प्रवाह है, जो मृत्यु के बाद भी जारी रहता है। पितर-हमारे पूर्वज-इस प्रवाह के आधार हैं। वे हमारे अस्तित्व की जड़ें हैं। अतः अमावस्या के दिन जब सूर्य और चंद्रमा की स्थिति अदृश्य एकत्व में होती है, तब यह समय आध्यात्मिक रूप से पूर्वजों की स्मृति और उनसे जुड़ाव का अवसर बन जाता है। इस दिन पितर तर्पण का विधान इसलिए है ताकि व्यक्ति अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट कर सके और उनके आशीर्वाद की आकांक्षा रखे।

तर्पण का अर्थ होता है तृप्ति प्रदान करना'। जब व्यक्ति श्रद्धा से जल, तिल, जौ और कुश के माध्यम से अपने पितरों को जलांजलि अर्पित करता है, तो माना जाता है कि उनकी आत्मा को शांति और तृप्ति प्राप्त होती है। यह केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि एक गहरा भावनात्मक और पारिवारिक संबंध है, जिसमें वर्तमान पीढ़ी अपने अतीत से संवाद करती है। तर्पण के माध्यम से व्यक्ति अपने अस्तित्व की निरंतरता को स्वीकार करता है और यह अनुभव करता है कि जीवन का प्रवाह केवल वर्तमान तक सीमित नहीं है। तर्पण की विधि में जल को दक्षिण दिशा की ओर अर्पित किया जाता है, क्योंकि दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी गई है। यह अर्पण प्रतीक है विनम्रता, समर्पण और स्मरण का। शास्त्रों में कहा गया है कि तर्पण के बिना कोई भी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण नहीं माना जाता।

पितर तर्पण के साथ-साथ अमावस्या के दिन दान-पुण्य का भी विशेष महत्त्व है। यह माना गया है कि इस दिन किया गया दान साधारण दिनों की तुलना में कई गुना अधिक फलदायी होता है। जब व्यक्ति स्नान के पश्चात वस्त्र, अन्न, धन या अन्य उपयोगी वस्तुओं का दान करता है, तो वह न केवल अपने पापों का शमन करता है, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह भी करता है। दान के पीछे केवल धार्मिक भावना नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदना भी छिपी है। दान से व्यक्ति अपने संसाधनों को साझा करता है, जिससे समाज के वंचित वर्गों को संबल मिलता है। इस प्रकार अमावस्या केवल व्यक्तिगत पुण्य अर्जन का अवसर नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और करुणा का प्रतीक भी है।

अमावस्या की रात्रि में दीपदान का विशेष महत्व बताया गया है। दीप जलाना केवल अंधकार को दूर करने का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह ज्ञान, चेतना और आत्मा की ज्योति का प्रतीक है। यह वह क्षण होता है जब व्यक्ति अपने भीतर झाँककर स्वयं को पहचानने का प्रयास करता है। जब घरों में दीपक जलाए जाते हैं और मन में पूर्वजों का स्मरण किया जाता है, तो एक अदृश्य संबंध स्थापित होता है, जो पीढ़ियों के बीच की दूरी को मिटा देता है। यही कारण है कि कार्तिक अमावस्या, जो दीपावली के रूप में मनाई जाती है, इस भावना का चरम रूप है-जहाँ अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और मृत्यु पर जीवन की विजय का उत्सव मनाया जाता है।

धार्मिक दृष्टि से अमावस्या का समय साधना, जप और ध्यान के लिए अत्यंत उपयुक्त माना गया है। यह वह क्षण है जब चंद्रमा का अभाव व्यक्ति की मानसिक स्थिरता और अंतर्मुखता को बढ़ाता है। इस समय किए गए जप-तप का प्रभाव गहरा माना गया है। जब व्यक्ति इस दिन उपवास रखता है, प्राणायाम करता है या ध्यान साधना में लीन होता है, तो उसकी आत्मा अधिक संवेदनशील और ग्रहणशील हो जाती है। यह आत्मशुद्धि का अवसर है, जब मन और शरीर दोनों संयमित होकर एकाग्रता की स्थिति में पहुँचते हैं। अमावस्या का एक और पक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है-यह पूर्वजों के साथ-साथ समाज और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी की भी याद दिलाती है। जब हम जल अर्पित करते हैं, तो वह केवल पितरों के लिए नहीं, बल्कि जल तत्व के प्रति कृतज्ञता का भाव भी है। जब हम अन्न का दान करते हैं, तो वह केवल पुण्य के लिए नहीं, बल्कि इस पृथ्वी की समृद्धि में सहभागिता का प्रतीक है। इस प्रकार अमावस्या आत्मा, समाज और प्रकृति के बीच संतुलन का उत्सव है। यह हमें याद दिलाती है कि जीवन में केवल भोग नहीं, बल्कि त्याग, दान और कृतज्ञता भी उतनी ही आवश्यक हैं।

पौराणिक ग्रंथों में कार्तिक अमावस्या का विशेष उल्लेख मिलता है। कहा गया है कि इस दिन किया गया स्नान, तर्पण और दान मनुष्य को जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्त करता है। महाभारत और गरुड़ पुराण में वर्णन है कि जो व्यक्ति अमावस्या को अपने पितरों का स्मरण करता है और उन्हें श्रद्धापूर्वक जल अर्पित करता है, उसके कुल में सदैव सुख, शांति और समृद्धि बनी रहती है। यह दिन न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि मनोवैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। जब व्यक्ति अपने पूर्वजों का स्मरण करता है, तो उसमें अपनापन और निरंतरता की भावना विकसित होती है। वह यह समझता है कि वह अकेला नहीं है, बल्कि एक लम्बी परंपरा और जीवनधारा का हिस्सा है।

आध्यात्मिक रूप से देखा जाए तो अमावस्या का अंधकार भीतर के अज्ञान का प्रतीक है, और तर्पण, दान, दीपदान जैसी क्रियाएँ उस अंधकार को मिटाने के साधन हैं। इन कर्मों से व्यक्ति बाहरी ही नहीं, भीतरी प्रकाश को भी प्रकट करता है। जब हम श्रद्धा से पूर्वजों को याद करते हैं, तो यह हमारी आत्मा को विनम्र बनाता है। यह विनम्रता ही धर्म का मूल है, क्योंकि यही हमें जीवन की सच्चाई से जोड़ती है-कि सब कुछ क्षणभंगुर है, परंतु कर्म और संस्कार अमर हैं।

अंततः अमावस्या आत्मकल्याण और लोककल्याण के सेतु के रूप में सामने आती है। यह हमें सिखाती है कि अपने अतीत को सम्मान देना, वर्तमान में करुणा से जीना और भविष्य के लिए प्रकाश का मार्ग तैयार करना ही धर्म का सार है। पितरों के प्रति श्रद्धा, समाज के प्रति दानशीलता और आत्मा के प्रति सजगता-ये तीनों मिलकर अमावस्या को पूर्ण बनाते हैं। यह वह दिन है जब मनुष्य अपनी जड़ों को सींचता है, अपने कर्मों का मूल्य समझता है और जीवन की निरंतरता में अपनी भूमिका को पुनः पहचानता है। इस प्रकार अमावस्या केवल एक तिथि नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना को परिष्कृत करने वाला एक अद्भुत पर्व है, जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

विशेष

संस्कार और चरित्र निर्माण का पर्व है दीपावली

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल: 9414441218

बुराई पर अच्छाई, अंधकार पर प्रकाश तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्योहार हैं दीपावली। दीपावली संस्कार और चरित्र निर्माण का पर्व है। तन-मन को प्रफुल्लित करने वाला यह पर्व हमारे जीवन में हजारों खुशियाँ प्रदान करता है। त्योहार जीवन को प्रेम, बन्धुत्व और शुद्धता से जीने की सीख देता है। मन और चित को शांति प्रदान करता है और हमारे अन्दर की बुराइयों को अन्तर्मन से बाहर निकाल कर अच्छाइयों को ग्रहण करने की ताकत प्रदान करता है। चौदह साल का बनवास काटकर भगवान राम जब अयोध्या लौटे तब वहाँ के निवासियों ने दीप प्रज्वलित कर उनका स्वागत किया। इस वर्ष दीपावली का पर्व 20 अक्तूबर को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। इस पंच दिवसीय पर्व को सभी वर्गों के लोग अत्यंत हर्ष व उत्साह के साथ मनाते हैं। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी से प्रारंभ होकर कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीया तक चलने वाला दीपावली का त्योहार सुख समृद्धि की वृद्धि, व्यापार वृद्धि तथा समस्त सुखों की प्राप्ति कराने वाला होता है। दीपावली को पंच पर्वो का त्योहार कहा जाता है जो धनतेरस से शुरु होकर भाई दूज पर समाप्त होते हैं।

त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और राष्ट्रीय एकता के जीवन्त प्रतीक होते हैं। इसमें देश के इतिहास का समावेश होता है। त्योहार बिना जाति, धर्म ओर भेदभाव के सभी लोग मिलजुल कर मनाते हैं और एक दूसरे के सुख दुख में भागीदारी देते हैं। एक दूसरे से मिलन का यह सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं। त्योहार आपसी कटुता, शत्रुता और बैर भाव को दूर भगाते हैं। दीपावली भी एक ऐसा ही त्योहर है जो हमें समता, समानता और भाईचारे का सन्देश देता है। त्योहार जीवन को प्रेम, बन्धुत्व और शुद्धता से जीने की सीख देता है। मन और चित को शांति प्रदान करता है और हमारे अन्दर की बुराइयों को अन्तर्मन से बाहर निकाल कर अच्छाइयों को ग्रहण करने की ताकत प्रदान करता है। चौदह साल का बनवास काटकर भगवान राम जब अयोध्या लौटे तब वहाँ के निवासियों ने दीप प्रज्वलित कर उनका स्वागत किया।

दीपावली के साथ कई ऐतिहासिक और धार्मिक घटनाएँ जुड़ी हुई हैं। यह दिन केवल भगवान राम के अयोध्या वापसी का पावन दिन नहीं है अपितु इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने राक्षस राज नरकासुर का वध किया

था। इसी दिन भगवान विष्णु ने नरसिंह का अवतार लेकर हिरणकश्यप को मारा था। इसी दिन समुद्र मंथन के बाद लक्ष्मी व धन्वन्तरि प्रकट हुए थे। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी इसी दिन है। सिक्खों के लिए भी दीपावली के त्यौहार का बहुत महत्त्व है। इसी दिन अमृतसर में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ। इसके अलावा 1619 में दीपावली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हर गोविन्द सिंह को जेल से रिहा किया गया। नेपालियों के लिए भी दीपावली का दिन बहुत महत्व का है। इस दिन नेपाल में नया वर्ष शुरु होता है। पंजाब में स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन हुआ। आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद ने दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया था। इस दिन लक्ष्मी पूजन का विशेष प्रावधान है। दीपावली सच्चे अर्थों में चौतरफा हर्षोल्लास का दिन है।

बुराई पर अच्छाई का प्रतीक यह पर्व अब रश्मि बनता जा रहा है। अच्छी बातें अब केवल वेद वाक्यों, ग्रन्थों, महापुरुषों के आदर्शों और नेताओं के भाषण तक सीमित होकर रह गई है। भारत ऋषि मुनियों, संतों और महापुरुषों की जन्मस्थली है जिन्होंने सदा सर्वदा सद्मार्ग पर चलने की सीख और प्रेरणा देशवासियों को दी। हम धीरे-धीरे इन आदर्शों को आत्मसात करने की बजाय बैर-भाव और शत्रुता को बढ़ावा देने में लगे हुए हैं। देश में इस समय जो वातावरण बना हुआ है, उससे बन्धुत्व, प्रेम और समता के स्थान पर अविश्वास, घृणा और बुराई को अधिक बल मिल रहा है। इसके लिए किसी एक को दोषी ठहराना ठीक नहीं होगा। हम सबको अपनी अन्तर आत्मा में झांक कर विवेचना करनी होगी। जब तक हम अपने अंदर की बुराइयों का त्याग नहीं करेंगे तब तक दीपावली की सीख, प्रेरणा और आदर्शों को आत्मसात करने की बातें थोथी और कागजी होगी।

नजरिया

बदलते समय में भाई दूज : प्रेम और अपनापन कैसे बना रहे ?

डॉ. प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

दीवाली के बाद का शांत उजाला जब धीरे-धीरे घरों में उतरता है, तब आती है भाई दूज की सुबह - मिठास और ममता से भरी। बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाती हैं, आरती करती हैं और मन ही मन यह कामना करती हैं कि उनका भाई सदा सुखी रहे। बदले में भाई बहन को उपहार देता है और यह वादा कि जीवनभर उसका साथ निभाएगा। यह दृश्य जितना सरल लगता है, उतना ही गहरा भी है। क्योंकि यह सिर्फ एक तिलक नहीं, रिश्तों में भरोसे, सुरक्षा और प्रेम की लकीर खींचने का संस्कार है। लेकिन आज जब समय बदल रहा है, रिश्तों की परिभाषाएँ बदल रही हैं, तब यह सवाल उठता है कि क्या भाई दूज का वही अपनापन और स्नेह अब भी पहले जैसा है? क्या भाई-बहन का रिश्ता अब भी उतना ही सहज, निर्भीक और भावनाओं से भरा है, जैसा कभी गाँव की मिट्टी और आँगन की धूप में होता था? कभी भाई दूज सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव हुआ करता था। बहनें सवेरे से तैयार होकर भाई की प्रतीक्षा करती थीं, घरों में पकवानों की खुशबू फैल जाती थी। भाई दूर-दूर से बहन के घर पहुँचते थे, क्योंकि यह दिन मिलन का होता था। न कोई दिखावा, न औपचारिकता-बस भावनाओं का सच्चा प्रवाह। उस समय रिश्तों में दूरी नहीं, दिलों की गर्माहट थी।

आज भी भाई दूज मनाया जाता है, पर उसकी आत्मा कहीं धुंधली पड़ने लगी है। अब भाई दूज का तिलक कई बार व्हाट्सएप पर भेजे गए इमोजी से लग जाता है, राखी और तिलक दोनों ऑनलाइन ग्रीटिंग्स में सिमट गए हैं। भाई दूज मुबारक का संदेश सोशल मीडिया पर चमकता है, पर उसके पीछे की नज़रों में अब वो अपनापन नहीं दिखता जो किसी बहन की आँखों में तब झलकता था जब वह अपने भाई का चेहरा देखती थी। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, संवेदना का भी है। समय ने हमें जोड़ा जरूर है, पर जोड़े हुए रिश्ते अब दिलों से ज़्यादा डिवाइसों में रहने लगे हैं। भाई दूज जैसे पर्व जो निकटता, स्नेह और संवाद के प्रतीक थे, अब स्टेटस अपडेट बनते जा रहे हैं। इस बदलाव की जड़ें आधुनिक जीवन की भागदौड़, व्यावसायिकता और आत्मकेंद्रित सोच में हैं, जिसने हमें अपनों से दूर कर दिया है। भाई दूज का पर्व केवल बहन की पूजा नहीं, बल्कि उस भावनात्मक संतुलन का प्रतीक भी है, जिसमें भाई सुरक्षा देता है और बहन संवेदना। दोनों एक-दूसरे की जरूरत बनकर रिश्तों के समाज का ढांचा खड़ा करते हैं। लेकिन आज की पीढ़ी में यह रिश्ता धीरे-धीरे औपचारिक होता जा रहा है। शहरों में बढ़ती व्यस्तता, प्रवास, और आत्मनिर्भर जीवनशैली ने भाई-बहन के रिश्तों को एक मौके की 'मुलाकात' बना दिया है।

जहाँ पहले भाई अपनी बहन के घर जाकर दिन भर का समय उसके परिवार के साथ बिताता था, अब वह मुलाकात कुछ मिनटों या वीडियो कॉल तक सीमित रह जाती है। बहनें भी अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हैं, भावनात्मक रूप से मज़बूत हैं, और जीवन के हर फैसले खुद लेती हैं। यह बदलाव सकारात्मक भी है, क्योंकि अब बहनें सुरक्षा की मोहताज नहीं, बल्कि बराबरी के आत्मसम्मान की प्रतीक हैं। मगर इस बराबरी के दौर में भी रिश्तों की गर्माहट बनी रहना जरूरी है। त्योहारों का उद्देश्य ही यही होता है-रिश्तों को दोबारा गढ़ना, दूरी मिटाना। भाई दूज हमें हर साल यह याद दिलाती है कि रिश्तों का पोषण केवल खून से नहीं, व्यवहार से होता है। लेकिन आधुनिकता की रफ्तार ने हमें इतना व्यस्त कर दिया है कि हम भावनाओं को भी समय-सारिणी में बाँधने लगे हैं। कभी-कभी लगता है कि रिश्ते अब कैलेंडर पर टिके कुछ त्योहारी दिनों के मेहमान बन गए हैं। आज की बहनें केवल उपहार नहीं, भावनात्मक साझेदारी चाहती हैं। उन्हें यह नहीं चाहिए कि भाई बस त्यौहार पर पैसे या गिफ्ट दे दे; वे चाहती हैं कि भाई उन्हें समझे, उनका सम्मान करे, उनके निर्णयों में साथ खड़ा रहे। और भाई भी चाहते हैं कि बहन सिर्फ स्नेह की मूर्ति नहीं, बल्कि सहयोग और संवेदना की साझेदार बने। यही रिश्ते का नया रूप है-बराबरी और आत्मीयता का संतुलन। भाई दूज अब केवल बहन की सुरक्षा का प्रतीक नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और संवाद का भी प्रतीक बनना चाहिए। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि भाई-बहन का रिश्ता सिर्फ बचपन का नहीं होता, वह उम्रभर का साथ है। भले जीवन के रास्ते अलग हों, पर दिलों के रास्ते जुड़े रहने चाहिए।

भाई दूज का असली अर्थ यही है कि रिश्तों की दीवारों पर समय की धूल जम जाने के बावजूद उनका रंग न फीका पड़े। यह पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम का रिश्ता कभी पुराना नहीं होता, बस हमें उसे झाड़-पोंछकर चमकाना आना चाहिए। आज जब दुनिया डिजिटल रिश्तों' की ओर बढ़ रही है, तो ऐसे पर्व हमें धरती से जोड़ते हैं। हमें बताते हैं कि मानवीय भावनाएँ अब भी सबसे बड़ी पूँजी हैं। इसलिए भाई दूज का तिलक केवल माथे पर नहीं, मन पर लगाना चाहिए-जहाँ अपनापन, स्मृति और कृतज्ञता की लकीरें स्थायी रहें। भाई दूज का संदेश बहुत सीधा है-रिश्तों को निभाने के लिए कोई बड़ी रस्म नहीं चाहिए, बस छोटी-छोटी संवेदनाएँ चाहिएं। कभी एक फोन कॉल, कभी एक पत्र, कभी बिना कारण किया गया धन्यवाद-यही वो छोटे तिलक हैं जो भाई-बहन के रिश्ते को जीवित रखते हैं। समय बदलेगा, त्यौहार भी रूप बदलेंगे, पर प्रेम और अपनापन अगर मन में बसा रहा, तो रिश्ते कभी टूटेंगे नहीं। भाई दूज हमें यह याद दिलाने आया है कि जीवन चाहे जितना तेज़ हो जाए, एक दिन रुककर किसी प्रिय को तिलक लगाना, उसकी आँखों में अपनेपन की रोशनी देखना-यही सच्चा त्योहार है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अपनी पहचान को बचाने के लिए एआई के दुरुपयोग से लड़ रहे हैं फिल्मी सितारे

मुंबई/भाषा। डिजिटल मंचों पर बढ़ते कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रभाव और उससे होने वाले नुकसान के मद्देनजर भारत के शीर्ष फिल्म सितारे अपनी सबसे मूल्यवान संपत्ति 'अपनी खुद की पहचान' को बचाए रखने के लिए अदालतों का रुख कर रहे हैं।अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय कुमार और ऋतिक रोशन सहित कई फिल्मी कलाकार अपने 'व्यक्तित्व अधिकारों' की रक्षा करने के लिए मुकदमे दायर कर रहे हैं।फिल्मी हस्तियां परिष्कृत एआई-संचालित डीप फेक और अपनी तस्वीरों, आवाज और वीडियो के अनधिकृत व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर अदालतों का रुख कर रहे हैं।

इन कलाकारों के लिए खतरा बिना अनुमति के साधारण विज्ञापन से कहीं अधिक है।

हाल ही में बंबई उच्च न्यायालय ने अभिनेता अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को संरक्षण प्रदान करते हुए इस बात पर जोर दिया था कि चूंकि प्रौद्योगिकी ने अति-यथार्थवादी, फिर भी पूरी तरह से मनगढ़ंत, चित्र और वीडियो बनाना आसान बना दिया है, इसलिए प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचने की संभावना वास्तव में चिंताजनक हो गई है।

बंबई उच्च न्यायालय में मशहूर हस्तियों के एक समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील जनय जैन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग से भी अधिक चिंताजनक और खतरनाक है डीपफेक चित्र और सामग्री।

जैन ने अपनी राय देते हुए कहा, ऐसी सामग्री व्यक्ति की प्रतिष्ठा और छवि को गंभीर नुकसान पहुंचाती है।'व्यक्तित्व अधिकार' किसी व्यक्ति को उसकी पहचान के वाणिज्यिक और सार्वजनिक उपयोग पर कानूनी नियंत्रण प्रदान करते हैं - उसका नाम, छवि, आवाज, हस्ताक्षर, या कोई अन्य विशिष्ट विशेषता जिसे जनता आसानी से पहचान लेती है।दुरुपयोग में फर्जी विज्ञापनों और अनधिकृत वस्तुओं से लेकर सबसे घातक खतरा - दुर्भावनापूर्ण एआई-जनित डीपफेक तक शामिल हो सकता है। यद्यपि भारत में व्यक्तित्व अधिकारों पर एक विशिष्ट, संहिताबद्ध कानून का अभाव है, फिर भी न्यायालय आगे आकर निजता के मौलिक अधिकार की परिभाषा को व्यापक बना रहे हैं। अदालतों की ओर से निषेधाज्ञा जारी करके तथा बिना उचित अनुमति के किसी कलाकार के व्यक्तित्व के दुरुपयोग पर रोक लगाकर ऐसा किया जा रहा है।

गायक कुमार सानू की ओर से पेश हुई वकील सना रईस खान ने कहा, अब हम जो देख रहे हैं वह केवल एक प्रवृत्ति नहीं है बल्कि एक आवश्यक विकास है जहां कलाकार अंततः अपने व्यक्तित्व पर नियंत्रण स्थापित कर रहे हैं। खान ने कहा, फिल्मी कलाकार जानते हैं कि उनकी पहचान उनकी संपत्ति और अधिकार है।वकील ने कहा कि डिजिटल मीडिया के उदय से प्रेरित होकर, फिल्मी हस्तियां अब अपनी पहचान के कानूनी और व्यावसायिक मूल्य के बारे में अधिक जागरूक हो गए हैं।

दीपोत्सव

अयोध्या में रविवार को 'दीपोत्सव' समारोह के अंतर्गत आयोजित एक 'शोभा यात्रा' में भाग लेते कलाकार।

बीजिंग घोषणापत्र के तीन दशक बाद भी 13.3 करोड़ लड़कियां स्कूल से बाहरः यूनेस्को जीईएम टीम

नई दिल्ली/भाषा। पिछले तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक समानता के मामले में दुनिया ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन इसके बावजूद दुनिया भर में लगभग 13.3 करोड़ लड़कियां अब भी स्कूल से बाहर हैं। यह जानकारी यूनेस्को के ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जीईएम) टीम द्वारा साझा की गई है।

बीजिंग डिक्लरेशन एंड प्लेटफार्म फॉर एक्शन ने 1995 में एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया था - शिक्षा सहित जीवन के सभी पहलुओं में महिलाओं की पूर्ण और समान भागीदारी। तीस साल बाद, बहुत कुछ हासिल किया गया है, लेकिन यूनेस्को के नए आंकड़े बताते हैं कि अब भी बहुत कुछ अधूरा है। जीईएम टीम के एक सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 1995 के बाद से, दुनिया शिक्षा में लैंगिक समानता के करीब पहुंच गई है। अब लड़कियां प्राथमिक, उच्चतर और माध्यमिक विद्यालयों में लड़कों के समान दर पर नामांकित होती हैं। वैश्विक स्तर पर, तीन दशकों पहले के मुकाबले 9.1 करोड़ अधिक लड़कियां प्राथमिक शिक्षा प्राप्त कर रही हैं और 13.6 करोड़ अधिक लड़कियां माध्यमिक शिक्षा ग्रहण कर रही हैं।

सदस्य ने कहा, महिलाओं का उच्च शिक्षा में पंजीकरण तीन गुना बढ़कर 4.1 करोड़ से 13.9 करोड़ हो गया है। ये आंकड़े बहुत अहम हैं, क्योंकि ये वर्षों की मेहनत का नतीजा हैं, जो शिक्षा में लड़कियों की बाधाओं को दूर करने और उनके लिए अवसर बढ़ाने के लिए की गई। हालांकि ये पूरी तस्वीर नहीं है। आज भी 13.3 करोड़ लड़कियां स्कूल से बाहर हैं।जीईएम टीम के अनुसार, क्षेत्र के अनुसार प्रगति में काफी अंतर है - मध्य और दक्षिणी एशिया ने माध्यमिक पंजीकरण में समानता हासिल कर ली है, जबकि उप-सहारा अफ्रीका अभी पीछे है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बीजिंग घोषणापत्र में पंजीकरण से कहीं अधिक की बात कही गई है, और इसमें परिवर्तन की भी मांग की गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है, फिर भी प्रगति धीमी रही है। लगभग दो-तिहाई देशों में प्राथमिक स्तर पर और लगभग तीन-चौथाई देशों में माध्यमिक स्तर पर यौन शिक्षा अनिवार्य है, जिससे कई युवा जरूरी ज्ञान और कौशल से वंचित रह जाते हैं। कई संदर्भों में पाठ्यपुस्तकें रूढ़िवादिता को चुनौती देने के बजाय उसे और मजबूत करती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि शिक्षकों में महिलाओं की संख्या अधिक है, फिर भी नेतृत्व में उनका प्रतिनिधित्व कम है। दुनिया भर में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में केवल 30 प्रतिशत महिलाएं अग्रणी हैं। ये व्यवस्थागत कमियां समानता की एक सच्ची शक्ति के रूप में शिक्षा के वादे को कमजोर करती हैं।

यूनेस्को टीम ने कहा कि बीजिंग घोषणापत्र एक मील का पत्थर है, लेकिन सच्ची प्रगति के लिए मील के पत्थरों से आगे बढ़कर स्थायी बदलाव की ओर बढ़ना जरूरी है।

इसमें कहा गया है, सरकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने चाहिए कि पाठ्यक्रम, शिक्षण और परामर्श लैंगिक रूप से परिवर्तनकारी हों, और महिलाओं के लिए शिक्षा नेतृत्व के रास्ते मजबूत करें। उन्हें यौन शिक्षा का विस्तार करने, स्कूली हिंसा से शिक्षार्थियों की रक्षा करने की आवश्यकता है।

सनी देओल ने नई फिल्म 'गबरू' की घोषणा की

नयी दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने रविवार को अपनी नई फिल्म गबरू का पहला पोस्टर साझा करके अपना 68वां जन्मदिन मनाया। फिल्म 13 मार्च 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी। फिल्म पटकथा का लेखन और निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है और इसका निर्माण ओम छंगानी और विशाल राणा ने किया है। देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्टर साझा किया। अभिनेता ने गबरू को साहस, विवेक और करुणा की कहानी बताया। कैप्शन में लिखा है, ताकत वह नहीं है जो आप दिखाते हैं, बल्कि वह है जो आपके करने में निहित है! आप सभी को आपके प्यार और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। गबरू सिनेमाघरों में 13 मार्च 2026 को आएगी। साहस, विवेक और करुणा की कहानी। मेरे दिल से दुनिया के लिए।

फिल्म में मिथुन का संगीत और सईद कादरी का गीत होगा। देओल की हालिया फिल्म जाट अप्रैल में रिलीज हुई थी। गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणदीप हुड्डा भी थे। गबरू के अलावा, अभिनेता बॉर्डर 2 और लाहौर 1947 में भी दिखाई देंगे। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ भी हैं और यह देओल की 1997 में आई फिल्म बॉर्डर की सीक्वल है। सनी देओल ने लाहौर 1947 में अभिनेत्री प्रीति जिंटा के साथ फिर से काम किया, जिनके साथ उन्होंने द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई, दिल्लगी और ये रास्ते हैं प्यार के जैसी फिल्मों में काम किया है। लाहौर 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है।

आलिया भट्ट से सोहा अली खान तक, प्री-दीपावली सेलिब्रेशन में बॉलीवुड सितारों ने जमाया रंग

मुंबई/एजेन्सी

दीपावली का उत्सव शुरू हो चुका है और बॉलीवुड के सितारे प्री-दीपावली सेलिब्रेशन्स में डूबे नजर आ रहे हैं। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर दीपावली पर अपने नए घर में शिफ्ट होने जा रहे हैं। उससे पहले वह नीतू कपूर और कपूर खानदान के साथ प्री-दीपावली के जश्न में शामिल हुईं।

वहीं, सोहा अली खान ने सैफ अली खान और करीना कपूर खान के साथ मिलकर खान परिवार की प्री-दीपावली पार्टी को इंजॉय किया। अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी सास नीतू कपूर और ससुराल वालों के साथ धनतेरस का त्योहार मनाया। नीतू कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरीज सेक्शन में इसकी कई तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से एक तस्वीर में कपूर परिवार के प्री-दीपावली सेलिब्रेशन की झलक दिखाई दे रही है। मैचिंग ब्लाउज के साथ गोल्डन साड़ी में आलिया बेहद खूबसूरत लग रही थीं। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की अभिनेत्री ने अपने एथनिक लुक को कॉम्प्लिमेंट्री चोकर और मैचिंग मांग टीका के साथ पूरा किया।

आलिया और नीतू के अलावा, इस तस्वीर में कपूर बहनें करीना और करिश्मा भी नजर आ रही हैं, जो देसी परिधानों में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। बताया जा रहा है कि अपने नए घर में शिफ्ट होने से पहले आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने अपनी मां के साथ दीपावली सेलिब्रेट कर ली है। इसके बाद अब दीपावली का जश्न नए घर में मनाया जाएगा, जिसके रिनोवेशन का काम पूरा हो चुका है। इस जश्न में करीबी लोग ही शामिल होंगे।

वहीं अभिनेत्री सोहा अली खान के लिए दीपावली से पहले का जश्न शुरू हो गया है, जिन्होंने सोशल मीडिया पर अपने प्रियजनों के साथ इस जश्न की झलकियां शेयर कीं। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं।

इनमें बॉलीवुड स्टार सैफ अली खान, उनकी भाभी करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर, अमृता अरोड़ा, उनके पति कुणाल खेमू और बेटी इनाया नौमी खेमू दिखाई दे रही हैं। सोहा, सैफ, और अमृता अरोड़ा लाल रंग के पारंपरिक परिधानों में एक साथ नजर आए, वहीं बेबो नीले रंग के लहंगे में बेहद स्टाइलिश दिखीं। सोहा ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कल रात हाई एनर्जी के साथ जश्न की शुरुआत हुई, धनतेरस की शुभकामनाएं।

सलीम मर्चेंट ने टाइम्स स्क्वायर पर सोनू निगम को दिया अनोखा दीपावली गिफ्ट

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर संगीतकार सलीम मर्चेंट ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर शानदार अंदाज में दीपावली मनाई और सोनू निगम के साथ एक खास पल साझा किया।इस सेलिब्रेशन के रूप में सलीम ने सिंगर को दीपावली का एक खास तोहफा भी दिया। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए

दिखाया कि न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में सोनू निगम का गाना 'जोगिया' का प्रोमो दिखाया जा रहा है। रविवार को सलीम मर्चेंट ने इंस्टाग्राम पर टाइम्स स्क्वायर के सामने खड़े होकर अपना एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह बड़े से बिलबोर्ड पर अपने गाने का प्रोमो दिखाते दिख रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, टाइम्स स्क्वायर पर दीपावली मनाते हुए सोनू निगम और श्रद्धा पंडित के लिए यह दीपावली का उपहार है। भारतीय संगीत को दुनिया तक पहुंचाकर बहुत खुशी हो रही है।

वीडियो में सलीम मर्चेंट कहते हैं, टाइम्स स्क्वायर पर उनका जोगिया। वाह! सोनू निगम, पैराडॉक्स और श्रद्धा पंडित, शुक्रिया। वाकई बहुत अच्छा लग रहा है। यह सरप्राइज न सिर्फ सोनू निगम को चौंका गया, बल्कि फैंस के बीच भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर लोग खूब कमेंट और लाइक कर रहे हैं। बता दें कि सलीम मर्चेंट और सुलेमान ने मिलकर अपने नए प्रोजेक्ट भूमि के इस गाने को कंपोज किया है। यह गाना हाल ही में रिलीज किया गया था। इस नई एल्बम में उन्होंने एक से बढ़कर एक गाने कंपोज किए हैं। इसमें हिंदी के साथ ही अन्य भाषाओं के गाने भी हैं। इस एल्बम में सोनू निगम और पैराडॉक्स से लेकर पपोन, शंकर महादेवन, शान और श्रेया घोषाल की मधुर आवाज से सजे कई गाने हैं।

इसके बारे में बात करते हुए सुलेमान ने एक इंटरव्यू में कहा था, हमने हमेशा अलग-अलग चीजें करने की, नई शैलियों को तलाशने और नए कलाकारों की खोज करने की कोशिश की है। जब हमने शुरुआत की थी, तब सिर्फ लोक और भक्ति संगीत था, फिर हम पॉप संगीत की ओर बढ़े। हमने हिप हॉप, ईडीएम और अब इन सबका एक बेहतरीन मिश्रण बनाया है। अगले साल, हम मलयालम, तमिल, ओडिसी संगीत और पूर्व में अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड से जुड़े गाने लाने की कोशिश करेंगे।

ग्रीस में 'द राजा साब' का ग्रैंड सॉन्ग शूट, फिल्म पहुंची फिनिश लाइन के करीब

मुंबई/एजेन्सी

इस बार प्रभास की दिवाली कुछ अलग है- पटाखों की चमक नहीं, बल्कि कैमरों की लाइट्स में जगमगा रही है! सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर-फैंटेसी फिल्म 'द राजा साब' की शूटिंग के लिए ग्रीस में हैं, जहां फिल्म का आखिरी शेड्यूल चल रहा है।

फिल्म के दो बड़े सॉन्ग्स पहले ही ग्रीस की धूप से नहाई बीचेज़ और खूबसूरत आइलैंड्स पर शूट किए जा चुके हैं, और अब टीम दिवाली तक ग्रैंड रैप-अप की तैयारी में जुटी है।फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर शूट की झलक दिखाई, जिसमें लिखा था, दिवाली के साथ-साथ टीम ने फैंस के लिए एक और तोहफा भी तैयार किया है प्रभास के बर्थडे (23 अक्टूबर) पर 'द राजा साब' से जुड़ा एक बड़ा अपडेट आने वाला है, जिससे फैंस के बीच एक्साइटमेंट डबल हो गया है। पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर ने ही सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी हॉरर, रोमांस और ह्यूमर का ऐसा तड़का जिसमें संजय दत्त नजर आए थे एक एक्सॉर्सिस्ट, साइकाइट्रिस्ट और हिप्नोटिस्ट के यूनिक रोल में। उनके साथ बोमन ईरानी और ज़रीना वहाब भी नज़र आएंगे, जो फिल्म में नॉस्टैल्जिया और एंटरटेनमेंट का परफेक्ट डोज़ लेकर आ रहे हैं।

आखिरी शेड्यूल की शूटिंग के साथ 'द राजा साब' अब अपने ग्रैंड फिनाले की ओर बढ़ रही है। ग्रीस के नीले आसमान और प्रभास की मेहनत के बीच तैयार हो रही यह हॉरर-फैंटेसी फिल्म दर्शकों के लिए एक जबरदस्त विजुअल ट्रीट साबित होने वाली है।

रिलीज हुआ 'तेरे इश्क में' का टाइटल सॉन्ग

नई दिल्ली/एजेन्सी

साउथ के सुपरस्टार धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'तेरे इश्क में' टीजर के रिलीज के बाद से ही छाई हुई है। फिल्म का टीजर इतना जबरदस्त है कि फिल्म के रिलीज का फैंस इंतजार नहीं कर रहे हैं।फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म के बज के बीच फिल्म का पहला गाना वीडियो के साथ रिलीज कर दिया गया है। 'तेरे इश्क में' फिल्म का पहला गाना 'तेरे इश्क में' का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है। गाने में जहां धनुष अपने टूटे दिल और प्यार के जुनून को कृति के सामने रखते हैं, वहीं कृति का भी अलग रूप देखने को मिला है। फिल्म के टीजर में सिर्फ धनुष का जुनूनी अवतार देखने को मिला था, लेकिन नए गाने में कृति भी इश्क में धोखा खाई लड़की की तरह शराब का सहारा लेती दिख रही हैं। गाने में कृति शराब के नशे में चूर हैं तो धनुष एक्शन

मोड में हैं। गाने के लिरिक्स भी दिल को छू जाने वाले हैं, गाने में फुल इमोशन और टूटे दिल की तड़प दिख रही हैं।

बता दें कि टाइटल ट्रैक के लिरिक्स इरशाद कामिल ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से गाने में जादू डाल दिया है। गाने को कुछ देर पहले ही रिलीज किया गया है और गाना सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस गाने से रिलेट कर रहे हैं और अपने टूटे दिल की कहानी बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, कृति और धनुष में प्यार के कुछ ज़्यादा ही रंग दिखा रहे हैं। मैं तो इस फिल्म का दीवाना हो गया हूं। एक दूसरे यूजर ने लिखा, गाने का एक-एक लिरिक्स गूजबंप लाने वाला है और अरिजीत सिंह की आवाज ने दिल जीत लिया। फिल्म में 'तेरे इश्क में' धनुष और कृति सेनन के अलावा माहिर मोहिउद्दीन और सुशील दहिया जैसे एक्टर भी देखने को मिलेंगे। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और फिल्म 28 नवंबर को अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म तमिल और हिंदी में रिलीज की जाएगी।

फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है। फिल्म के टीजर की बात करें तो टीजर में धनुष का अवतार जुनून और प्यार में धोखा खाए तड़पते आशिक जैसा है। टीजर की शुरुआत ही धमाकेदार डायलॉग से होती है और धनुष कृति की हल्दी में जाकर कहते हैं, शंकर करे तेरे बेटा हो, तुझे पता चले कि इश्क में जो मर जाते हैं, वो भी किसी के बेटे होते हैं। फिल्म में 'राझांणा' की झलक देखने को मिलेगी।

त्योहारों के सीजन में भी सेहत का ध्यान रखते हैं पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

त्योहारों का मौसम आते ही चारों ओर मिठाइयों की खुशबू फैल जाती है। खासकर दीपावली के दौरान तो घर-घर में तरह-तरह के पकवान और मीठे व्यंजन बनते हैं। लोग अपनों के साथ मिलकर स्वाद और उत्सव दोनों का आनंद लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो इस दौरान अपनी सेहत और आदतों को लेकर सजग रहते हैं।ऐसे ही एक नाम हैं मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी, जो न सिर्फ अपने अभिनय के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने सादा जीवन और संतुलित खानपान के लिए भी चर्चा में रहते हैं। दीपावली जैसे त्योहार पर जब आम लोग मिठाइयां खाते हैं, तब पंकज त्रिपाठी खुद को इस ललक से बचाए रखते हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें मिठाइयों का उतना शौक नहीं है।

उन्होंने कहा, ''मैं मिठाइयां ज्यादा खाता नहीं हूं, लेकिन दीपावली पर कुछ मिठाइयां खा लेता हूं, वो भी सिर्फ अच्छी वाली, जैसे काजू और किशमिश वाली मिठाइयां, जिससे मेरी सेहत पर कोई असर न पड़े। ऐसे में त्योहार पर वजन बढ़ने की मुझे चिंता नहीं होती।

बैलेंस डाइट ही मेरा असली फिटनेस मंत्र है और यही मेरी दिनचर्या का हिस्सा है।'' पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपने फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहे हैं। वह एक बार फिर अपने चर्चित किरदार कालीन भैया के रूप में लौटने वाले हैं। वो भी अब वेबसीरीज के रूप में नहीं, बल्कि फिल्म में। 'मिर्जापुर' के चाहने वालों के लिए एक फिल्म बनाई जा रही है, जिसकी शूटिंग अभी वाराणसी में चल रही है। हाल ही में उन्हें रामनगर किला में अली फजल के साथ शूटिंग करते देखा गया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं और यह 2026 में रिलीज होने वाली है। इस बार फिल्म में कई पुराने चेहरों की वापसी होगी, जिनमें पंकज त्रिपाठी (कालीन भैया), अली फजल (गुड्डू पंडित), दिव्येंदु (मुन्ना त्रिपाठी), और अभिनेता अभिषेक बनर्जी भी नजर आएंगे।

घर में दिखें ये शुभ संकेत तो समझिए होने वाली है धनवर्षा

हिंदू धर्म का सबसे प्रमुख और शुभ त्योहार है, जो इस बार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। यह दिन कार्तिक अमावस्या का होता है, जब प्रभु श्रीराम, सीता माता और लक्ष्मण जी 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे। शास्त्रों के अनुसार, दीवाली से पहले कुछ विशेष संकेत दिखाई देना मां लक्ष्मी के आगमन का सूचक माना जाता है।

दीवाली न केवल प्रकाश का त्योहार है, बल्कि यह शुभता, समृद्धि और नए आरंभ का प्रतीक भी है। ज्योतिष और शास्त्रों में कहा गया है कि यदि दीपावली से पहले कुछ विशेष संकेत दिखाई दें, तो यह इस बात का संकेत होता है कि मां लक्ष्मी आपके घर आने वाली हैं। आइए जानते हैं ये शुभ संकेत कौन से हैं

दीवाली से पहले हर घर में सफाई की जाती है। यदि इस दौरान आपको मोर पंख मिलता है, तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मोर भगवान विष्णु का प्रिय है और मोर पंख का मिलना इस बात का संकेत होता है कि भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की कृपा आपके घर पर बरसने वाली है। इससे घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है।

यदि दीपावली से पहले आपके घर या आसपास उल्लू, छछूंदर, या काली चींटी दिखाई दे, तो इसे भी अत्यंत शुभ माना गया है। उल्लू माता लक्ष्मी का वाहन है, इसलिए इसका दिखना मां लक्ष्मी के आगमन का प्रतीक माना जाता है। काली चींटियों का आना घर में धन और अनाज की बरकत का सूचक होता है।

अगर दीवाली से पहले गाय माता आपके घर के द्वार पर आती है या अचानक उसके दर्शन होते हैं, तो यह भी मां लक्ष्मी के प्रसन्न होने का संकेत है।

ऐसे में गाय को रोटी या गुड़ खिलाना बहुत ही शुभ फलदायक माना जाता है। कहा जाता है कि ऐसा करने से घर में सुख-शांति और ऐश्वर्य बढ़ता है।स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि दीपावली से पहले आपको सपने में मंदिर, शंख, ॐ या किसी देवी-देवता के दर्शन हों, तो यह संकेत है कि निकट भविष्य में आपको धनलाभ और मां लक्ष्मी की कृपा मिलने वाली है। खासकर मंदिर में प्रवेश करने का सपना अत्यंत शुभ माना जाता है। दीवाली से पहले यदि अचानक घर में मन प्रसन्न रहने लगे, परिवार में सौहार्द बढ़े या सुगंधित वातावरण महसूस हो, तो यह भी लक्ष्मी आगमन का संकेत है।

माना जाता है कि इस समय देवी स्वयं आपके घर प्रवेश की तैयारी करती हैं। दीवाली से पहले इन शुभ संकेतों का दिखाई देना केवल एक संयोग नहीं, बल्कि दैवी संकेत माना गया है। इसलिए यदि आपके आसपास ऐसे लक्षण दिखें, तो उन्हें शुभ मानते हुए श्रद्धा के साथ मां लक्ष्मी की आराधना करें।

दीपावली के हर्षोल्लास संग रखें सेहत का भी ध्यान

दिवाली के पावन उत्सव को उल्लास के साथ मना लें और बाद में सेहत को लेकर कोई परेशानी भी न हो- इसके लिए कुछ एहतियात रखने व उपाय करने जरूरी हैं। खासकर खानपान पर नियंत्रण रखा जाए व प्रदूषण से अपना बचाव करें। वहीं पार्टी आदि में ओवरइटिंग न करें। साथ ही व्यायाम व खुराक का भी ध्यान रखें। इस बारे में दिल्ली स्थित मणिपाल अस्पताल में जनरल फिजीशियन डॉ. चारू गोयल से रजनी अरोड़ा की बातचीत। रोशनी, आतिशबाजी और मिठाइयों का प्रतीक दिवाली का त्योहार अमूमन सभी के जीवन में हर्षोल्लास लेकर आता है। वहीं लापरवाही बरतने की वजह से कई लोगों के लिए स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सबब भी बन सकता है। भले ही इसके पीछे कई वजह रहती हैं जैसे- बदलता मौसम, वातावरण में बढ़ता प्रदूषण, अव्यवस्थित जीवनशैली, खानपान में बदलाव, मिठाइयों का सेवन व बेइंतहा आतिशबाजी। इन सब पर ध्यान दिया जाए, तो परेशानियों से बचा जा सकता है –

सेलिब्रेट करें ग्रीन दिवाली

दिवाली पर छोटे-बड़े सभी बड़े उत्साह से पटाखे चलाते हैं। जलाने पर इनकी 60 डेसिबल से ज्यादा की कानफोड़ आवाज, इनसे निकले धुएं में प्रदूषक तत्वों के छोटे-छोटे कण और जहरीली गैसें मौजूद रहती हैं जो सेहत के लिए नुकसानदायक होती हैं। इसलिए कोशिश करें कि ग्रीन दिवाली सेलिब्रेट करें। ग्रीन पटाखों से धुआं और शोर दोनों ही कम होता है जिससे आप खुद का और पर्यावरण का बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं।

माइंडफुल इटिंग करें

माइंडफुल इटिंग हमें ओवरइटिंग से बचाती है। खाना कितना भी स्वादिष्ट क्यों न हो ,उतना ही खाएं जितनी भूख हो। स्वाद के चक्कर में ओवरइटिंग बिल्कुल भी न करें। ओवर इटिंग की वजह से पेट से संबंधित कोई भी समस्या हो सकती है। जो भी खाएं उसे अच्छी तरह से चबाकर और भरपूर स्वाद लेकर खाएं। जैसे ही आपका माइंड पेट भरने का संकेत दे आप खाना बंद कर दें।

डाइट प्लान करें

त्योहारों में हेल्दी रहने के लिए जरूरी है खाने-पीने की थोड़ी प्लानिंग करके चलना। एक-साथ भरपेट न खाएं। थोड़े-थोड़े अंतराल पर खाते रहें। नाश्ता करना बिल्कुल न भूलें। अगर आप सुबह के समय पौष्टिक नाश्ता करेंगे तो इससे आपको दिन भर काम करने के लिए भरपूर एनर्जी भी मिलेगी और पेट भरा होने के चलते लंच से पहले कुछ खाने का मन भी नहीं करेगा।

डाइट का रखें ख्याल

त्योहार पर एंजॉय करने और फिट रहने के लिए संतुलित आहार लें। लो-फैट, लो-शुगर और लो-सोडियम वाली चीजों का सेवन करें। यथासंभव फाइबर,प्रोटीन युक्त पदार्थ अधिक शामिल करें। खाने में सलाद व फल जरूर लें। ये आपको एनर्जी देंगे और भूख को कंट्रोल रखेंगे। ऑयली फूड खाने से परहेज करें। ताकि कोलेस्ट्रॉल, बीपी या दूसरी समस्याएं होने के रिस्क से बचे रहें। जरूरी नहीं है कि हर त्योहार पर तले हुए व्यंजन ही बनाएं। अपनी और अपने परिवार की सेहत को ध्यान में रखते हुए लो-कैलोरी रेसिपीज भी आप अपने मेन्यू में शामिल कर सकते हैं जैसे तली चाट की बजाय फ्रूट चाट बनाएं, अंकुरित दालों के कबाब और अन्य व्यंजन बनाए जा सकते हैं। जो खाने में स्वादिष्ट होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होते हैं। बेक या ग्रिल फूड आइटम खाना बेहतर ऑप्शन हैं।

मिठाइयों का सेवन जरा संभल कर

त्योहार अधूरा लगने के बावजूद सेहतमंद रहने के लिए मिठाइयों का सेवन सीमित मात्रा में करना बेहतर है। ज्यादा मिठाई खाने से आपका वजन बढ़ सकता है। संभव हो तो दिवाली के मौके पर बाजार से लाने के बजाय घर पर खुद मिठाई बनाएं। होममेड मिठाइयां गुणवत्ता के लिहाज से तो खरी होंगी ही, उनमें मिलावट का अंदेशा भी नहीं होगा।

दिवाली की भाग दौड़ में कामकाज इतना ज्यादा रहता है, इतने सेलिब्रेशंस होते रहते हैं कि लोग खुद को हाइड्रेटेड नहीं रख पाते और पानी कम पीते हैं। कोशिश करें कि पानी पर्याप्त पीएं क्योंकि जितना आप पानी पीएंगे उतनी ही आपके शरीर से गंदगी बाहर निकलेगी। दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पीएं। कोल्ड ड्रिंक्स, जूस पीने के बजाय नींबू पानी, नारियल पानी या लस्सी पीना बेहतर है। इससे फेस्टिव सीजन में होने वाली भागदौड़ की वजह से लो-एनर्जी या थकान दूर होगी, डिहाइड्रेशन से बचाव होगा और शरीर डिटॉक्स भी होगा।

कई बार जल्दबाजी में पटाखे जलाने के बाद हम लोग कुछ खा लेते हैं, जो पाचन-तंत्र को नुकसान पहुंचाने के साथ शरीर को भी हानि पहुंचा सकते हैं। बचाव के लिए जरूरी है कि अपने हाथों को अच्छी तरह धोने के बाद ही कुछ खाएं। यदि आप त्योहार के समय अपने किसी दोस्त या रिश्तेदार के यहां खाने पर गए हैं तो जरूरी नहीं कि आप उनके जबर्दस्ती करने पर पेट भरा होने पर भी खाएं। आप अपनी सेहत को ध्यान में रखते हुए शिष्टाचारपूर्ण तरीके से ज्यादा खाने से मना करें। इससे उन्हें बुरा भी नहीं लगेगा।

त्योहार के दौरान अपने एक्सरसाइज शेड्यूल में खलल न पड़ने दें। थोड़ा समय जरूर निकालें। इससे आप तनावमुक्त और एक्टिव रहेंगे। वातावरण प्रदूषण से बचने के लिए बाहर जाने के बजाय घर पर एक्सरसाइज, योग या वॉक करना बेहतर है। अगर दिवाली पार्टी का प्लान है, तो थोड़ा सचेत रहें। घर से निकलने से पहले पौष्टिक आहार ले लें। इससे आप अनावश्यक और अनहेल्दी फूड ही नहीं, एल्कोहल पीने से भी बचेंगे। त्योहारों के दौरान देर रात तक जागना आम बात है, लेकिन यह हमारे शरीर की ऊर्जा को प्रभावित कर सकता है। दिवाली की भागदौड़ और त्योहार मनाने की खुशी में नींद को अनदेखा न करें। रात को 7-8 घंटे की भरपूर नींद जरूर लें। ताकि मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन जैसी समस्याएं न हों। सोने से पहले डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें या फिर रिलैक्स होने के लिए अपना पसंदीदा म्यूजिक सुनें या किताब पढ़ें।

कंट्रोल करने के बावजूद दिवाली के मौके पर खानपान ज्यादा हो ही जाता है। बैलेंस बनाने के लिए दिवाली के बाद दिन में 2-3 बार डिटॉक्स ड्रिंक्स (नींबू पानी, नारियल पानी, अदरक और शहद का पेय) पीना फायदेमंद रहता है। जो शरीर में अवशोषित होने वाले अतिरिक्त फैट को निकालने और वजन नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

सेहत संवारने में भी मददगार हैं आभूषण

आभूषणों को विशेष तौर पर व्यक्तित्व में आकर्षण व सौंदर्य बढ़ाने के मकसद से पहना जाता है। लेकिन इसके साथ ही वे अच्छा निवेश भी माने जाते हैं। इन वजहों के अलावा गहने पहनने के स्वास्थ्य लाभ भी कम नहीं हैं। सिर से पैर तक पहने जाने वाले गहनों के सेहत को अलग-अलग फायदे हैं। धनतेरस या दीपावली के अवसर पर कुछ धातुओं की खरीद शुभ मानी जाती है। ऐसे में आभूषणों की बात न चले ऐसा तो हो ही नहीं सकता। दरअसल, सभी महिलाएं गहनों से संवरना चाहती हैं। वैसे तो गहने शारीरिक सौंदर्य बढ़ाने व ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ही पहने जाते हैं। मगर हमारी परंपरा में गहनों में कई अन्य प्रयोजन भी दिखाई पड़ते हैं। प्राचीन भारतीय ग्रंथों के मुताबिक, यदि कोई व्यक्ति स्वर्णाभूषण धारण करता है, तो वे उसे जीवन भर स्वस्थ रखने में मददगार होते हैं। दरअसल, पुराने समय से ही गहने पहनने के पीछे कई चिकित्सकीय कारण भी रहे हैं। आज, आमतौर पर बहुत कम लोगों को जानकारी है कि गहने सौंदर्य ही नहीं, सेहत भी संवारते हैं।

गहनों से शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में पर्याप्त तथ्य मिलते हैं। एक्यूप्रेशर और एक्यूपंक्चर, चिकित्सा पद्धति का प्रचलन पूरे विश्व में बढ़ रहा है। इस पद्धति की जानकारी जिन्हें है, उन्हें गहनों के चिकित्सकीय महत्व को जानना बहुत मुश्किल नहीं, सीधे-सीधे शब्दों में हमारे शरीर में कई ऐसे बिंदु होते हैं जिन पर दबाव डालने से कई विकार और रोग स्वतः ठीक हो जाते हैं। इन बिंदुओं को मर्मस्थल या मेरेडियन कहते हैं।

गहने शरीर के मर्मस्थलों के लिए उत्प्रेरक का कार्य करते हैं। सोना और चांदी जैसी मूल्यवान धातुएं ऊर्जा चालन एवं विकिरण की क्षमता रखती हैं। ये धातुएं शरीर के किसी विशेष मर्मस्थल की स्पंदन क्रिया के साथ उत्प्रेरक के रूप में जुड़ जाती हैं तो इनकी यह क्षमता ज्यादा असरदार हो जाती है। जानिये कौन से आभूषण का सेहत के दृष्टिकोण से कितना महत्व है-

गले में पहने जाने वाले गहने जैसे- हार, चेन जंजीर आदि का श्वास रोगों, भोजन नलिका और कंठ स्वर पर अच्छा असर होता है। इन गहनों का दबाव गर्दन के पिछले भाग में पड़ता है। वहां 'वैगस नर्व' नामक महत्वपूर्ण मर्मस्थल होता है।

कंगन, चूड़ी, दस्तबंद जैसे कलाई में पहने जाने वाले गहने श्वास रोग, हृदय रोग तथा मानसिक विकार कम करते हैं। आजकल आपने खिलाड़ियों को भी रिस्ट बैंड का प्रयोग करते देखा होगा। बाजूबंद जैसे कोहनी के ऊपर पहने जाने वाले गहने शरीर की रोग निवारक क्षमता बढ़ाते हैं। इनसे रक्तचाप ठीक रहता है, चर्म रोगों की आशंका घटती है व मस्तिष्क भी तनावमुक्त रहता है। तगड़ी या करधनी जैसे कमर के आभूषण मूत्र रोगों, प्रजनन अंगों की बीमारियों, कमर दर्द, यूटरस, संबंधी बीमारियों, फर्टिलिटी प्राब्लम्स, अनियमित पीरियड आदि तकलीफों को रोकते हैं। साथ ही इनसे पेट का अनावश्यक रूप से बढ़ना व कमर का फैलना भी रुकता है। पायल, बिछुआ आदि पैरों के गहने गैस विकार, आंव रोग, पेचिश आदि रोगों से छुटकारा दिला सकते हैं। साथ ही पायल से एड़ियों में दर्द नहीं होता व बिछुआ से पैरों की अंगुलियों का रक्त संचार ठीक रहता है।

हाथ की अंगुलियों में पहना जाने वाला आभूषण अंगूठी बड़ा कमाल करती है। तर्जनी अंगुली में अंगूठी पहनना सिरदर्द से मुक्ति दिलाने में काफी मददगार है। मध्यमा की अंगूठी पहनना मानसिक तथा सीने के विकारों, अनामिका में रिंग पहनना कान के रोगों में तथा छोटी अंगुली में अंगूठी पहनना हृदय रोगों व छोटी आंत के रोगों में राहतकारी है।

हाथ के अंगूठे में कोई कसी हुई अंगूठी पहनी जाए तो श्वास रोग में आराम मिलता है। सिर व माथे के जेवर में बोरला प्रमुख माना जाता है। मान्यताओं के मुताबिक, मांग टीका (बोरला) पहनना दिमाग को शांत बनाए रखने में काफी मददगार माना जाता है।

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

सज्जनराज मेहता

कमला मेहता
KAMALA SAJJANRAJ MEHTA JAIN
10, Gajapathy Road, Kilpauk, Chennai -600 010.

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

WITH BEST COMPLIMENTS FROM

SHRI JAIGOPAL GARODIA
FOUNDER CHAIRMAN
SWAMI VIVEKANANDA
JAIGOPAL GARODIA GROUP OF INSTITUTIONS
U-6, 7th Street, Annanagar, Chennai – 600 040
Ph : 044-2621 3224, 2628 9909, 2620 6261
e-mail : jgvvan@gmail.com web : www.jaigopalgarodia.org
"EDUCATION FOR ALL IS MY VISION AND GOAL TO INSTILL NATIONALISM AND PATRIOTISM AND MAKE BHARAT STRONG AND GLORIOUS."
- JAIGOPAL GARODIA

धन की देवी, बुद्धि के देवता... दिवाली पर क्यों होती है मां लक्ष्मी के साथ श्रीगणेश की पूजा?

दिवाली एक ऐसा त्योहार है, जिसे पूरे देश में उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की जीत के रूप में मनाया जाता है। इस दिन लोग ना सिर्फ घरों को दीपों से रोशन करते हैं, बल्कि द्वार पर रंगोली, फूलों और बिजली की लड़ियों से भी सजावट करते हैं। वहीं, दिवाली की रात मां लक्ष्मी और भगवान गणेश जी की पूजा की जाती है। हालांकि हर किसी के मन में यही सवाल उठता है कि अगर दिवाली का त्योहार भगवान श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के घर लौटने की खुशी में मनाया जाता है तो इस दौरान माता लक्ष्मी व श्री गणेश जी की पूजा क्यों की जाती है। चलिए जानते हैं इससे जुड़ी पौराणिक कथा...

हिंदू धर्म में भगवान गणेश बुद्धि और मां लक्ष्मी धन-समृद्धि की प्रतीक मानी जाती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक बार भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी वैकुंठ में बातें कर रहे थे। तभी देवी ने कहा कि मैं धन, समृद्धि, सौभाग्य, ऐश्वर्य प्रदान करती हूं इसलिए मेरी पूजा करना सर्वोत्तम है। भगवान विष्णु ने देवी के बातों में अभिमान को भाप लिया। इस पर भगवान ने कहा कि देवी आप सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन मातृत्व के बिना एक स्त्री का नारीत्व अधूरा माना जाता है। यह सुनकर मां लक्ष्मी बहुत निराश हो गई और अपने नारीत्व को पूरा करने के लिए वह देवी पार्वती के पास पहुंचीं। मां पार्वती के 2 पुत्र थे इसलिए देवी लक्ष्मी ने उनसे एक पुत्र गोद देने के लिए कहा। मां पार्वती ने देवी लक्ष्मी के दर्द को समझते हुए श्री गणेश उन्हें सौंप दिया। तब मां लक्ष्मी ने कहा कि उनकी पूजा के बाद श्रीगणेश जी की पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि का वास होगा। यही कारण है कि दिवाली के दिन मां लक्ष्मी के साथ श्रीगणेश की पूजा की जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
के सभी पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं
को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
शुभकामनाओं सहित

श्री अग्रवाल सभा, चेन्नई
SRKK, Agarwal Sabha Bhawan, Shanti Colony Anna Nagar, Chennai-600040
की समस्त कार्यकारिणी समिति, सभी सहयोगी संस्थाएं
श्री पूर्णीदेवी गोयन्का अग्रवाल सभा भवन
श्री रामदयाल कलावती खेमका अग्रवाल सभा भवन
श्री रामावतार कला कानोडिया अग्रवाल सभा वृद्ध सेवाश्रम
अन्नानगर स्तिथ नवीनीकृत भवन शादियों, धार्मिक कार्यक्रमों
और अन्य व्यवसायिक कार्यों के लिए उपलब्ध है

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.

दक्षिण का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
कर्नाटक एवं तमिलनाडु से एक साथ प्रकाशित
Chennai : 7299788008
Bengaluru : 9945488002/01/03

EVERWIN
GROUP OF SCHOOLS

EVERWIN VIDHYASHRAM KG - XII CBSE KOLATHUR	EVERWIN MATRIC HSS KG - XII MATRIC KOLATHUR	EVERWIN PUBLIC SCHOOL KG - XII CBSE MADURAVOYAL	EVERWIN VIDHYASHRAM KG - XII CBSE MATHUR	EVERWIN VIDHYASHRAM KG - XII CBSE PERAMBUR	EVERWIN VIDHYASHRAM KG - X CBSE SURAPET	EVERWIN VIDHYASHRAM KG - IX CBSE MADURANTAKAM	EVERWIN GLOBAL KIDS KG - II CBSE RAJAMANGALAM	EVERWIN VIDHYASHRAM KG - IX CBSE PARUTHIPATTU	EVERWIN VIDHYASHRAM KG - VIII CBSE SEMBIUM
☎:2556 4400 / 9445 999 000	☎:2556 1100 / 9445 666 000	☎:2378 1107 / 9884 777 000	☎:2555 2266 / 8940 777 000	☎:2662 1100 / 9445 95 95 95	☎:9445 999 555 / 6384 380 077	☎:8531 888 000/8531 999 444	☎:7094 533 533/ 7094 811 811	☎:8428 77 66 77/8428 66 77 66	☎: 2662 1100 / 9445 95 95 95